शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 40 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम ने सिंगापुर के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित पेज 2
शिक्षा देश की पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का साधन है : राज्यपाल पेज 3
कैबिनेट मंत्री रणजीत सिंह ने छोड़ी पार्टी पेज 5
धरमबीर ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 में नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता... पेज 7

बगैर अनुमति के वित्तीय लेन-देन करने वाले गिरफ्तार होंगे : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि रिजर्व बैंक की अनुमति के बिना वित्तीय प्रतिष्ठान खोलकर वित्तीय लेनदेन करने वाले हर व्यक्ति को पुलिस गिरफ्तार करेगी। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में अबतक 30 से अधिक लोगों को राज्य में गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईडी मामले की जांच कर रही है। राज्य के पुलिस महानिदेशक को यदि आवश्यकता महसूस हुई तो इस मामले को लेकर एसआईटी गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री आज अपने चार दिवसीय ऊपरी असम के पांच जिलों के दौरे के तीसरे दिन डिब्रूगढ़ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसा मामला यहां पर सामने आया है इसी तरह के अवैध लेनदेन असम के साथ-साथ पूरे देश में किए जा रहे हैं। असम सरकार इसको लेकर केंद्र सरकार के साथ भी बातचीत कर रही है। मुख्यमंत्री ने आज डिब्रूगढ़ स्थित इस्कॉन मंदिर में दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि शीघ्र ही यहां एक भव्य इस्कॉन मंदिर बनकर तैयार होने वाला है। उन्होंने कहा कि अपने डिब्रूगढ़ दौरे के दौरान उन्होंने इस्कॉन मंदिर में जाकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व आज डिब्रूगढ़ में मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में भाग लिया। समारोह में उनके साथ राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू एवं उनके मंत्रिमंडल के कई सहयोगी मंत्री, विधायक एवं भाजपा नेता मौजूद रहे। अपने डिब्रूगढ़ प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री आज यहां कई -शेष पृष्ठ दो पर

असम समझौते की धारा 6 की अधिकांश सिफारिशों को लागू करेगी राज्य सरकार

गुवाहाटी। असम सरकार ने असम समझौते, 1985 के खंड 6 को राज्य में अगले वर्ष 15 अप्रैल तक लागू करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति की *85 प्रतिशत सिफारिशें* पूरी करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय पिछले महीने से ऊपरी असम में गैर-स्वदेशी लोगों के *आक्रमण* के खिलाफ स्वदेशी समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नए सिरे से शुरू हुए आंदोलन के बीच आया है। असम समझौते के अधिकांश खंडों को लागू किया गया है, लेकिन लगातार सरकारें खंड 6 को लागू करने में विफल रही हैं, जो स्वदेशी असमिया लोगों को *संवैधानिक, विधायी और प्रशासनिक सुरक्षा* प्रदान करता है। पांच साल पहले, राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान यह मुद्दा गरमा गया था। फरवरी 2020 में गृह मंत्रालय द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा की अध्यक्षता वाली समिति ने विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के बाद धारा 6 को लागू करने के लिए 91-पृष्ठ की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया। यह रिपोर्ट 25 फरवरी 2020 को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को सौंपी गई थी। लेकिन उस साल 7 फरवरी को असम में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह आश्वपासन दिए जाने के बावजूद कि समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद केंद्र धारा 6 को लागू करने के लिए तेजी से काम करेगा, इस पर कोई प्रगति नहीं हुई। चार साल से अधिक समय के बाद, बुधवार को राज्य मंत्रिमंडल ने लखीमपुर में एक -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में उपद्रवियों ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के घर में लगाई आग

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में उपद्रवियों ने एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के घर में आग लगा दी। यह घटना जिरीबाम जिले की सीमा से लगे फेरजोल जिला अंतर्गत जकुराधार में हुई। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के तीन कमरे का मकान जलकर राख हो गया। जिला पुलिस सूत्रों के मुताबिक गुरुवार को तड़के करीब 3:30 बजे जिरिबाम जिले से करीब 28 किमी दूर मार-बहुल फेरजोल जिले के पास अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के घर -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बाढ़ : यूएसटीएम पर लगाए गए आरोपो की जांच करेगी सांग्मा सरकार

शिलांग। मेघालय के निजी विश्वविद्यालय पर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच होगी। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के सांग्मा ने मामले में असम और मेघालय के अधिकारियों की संयुक्त समिति का गठन किया है। यह समिति जांच के बाद सीएम को रिपोर्ट देगी। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने पिछले महीने मेघालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विवि (यूएसटीएम) और इसके मालिक-कुलपति महबाबुल हक पर आरोप लगाया था।शर्मा ने यूएसटीएम और इसके मालिक और वीसी हक को गुवाहाटी के खिलाफ *बाढ़ जिहाद* के लिए जिम्मेदार ठहराया था, जिसमें दावा किया गया था कि संस्थान ने अपने परिसर में पहाड़ियों को नुकसान पहुंचाया है। इससे गुवाहाटी में बड़े पैमाने पर हुए जलभराव हुआ था। यूएसटीएम जोराबाट समेत गुवाहाटी के बाहरी इलाके और मेघालय के री-भोई जिले में है। असम के सीएम ने -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

फूलों की खुशबू हवा की दिशा में ही फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई चारों तरफ फैलती है।

– आचार्य चाणक्य

सिक्किम में 300 फीट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, चार जवानों ने गंवाई जान

गंगटोक। सिक्किम में बड़ा हादसा हुआ है। यहां सेना का वाहन हादसे का शिकार हो गया है। इसमें चार जवानों ने जान गंवाई है। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब सेना का वाहन पश्चिम बंगाल के पेडोंग से सिक्किम के पाकयोंग जिले में सिल्क रूट से जुलुक जा रहा था। इसी बीच वाहन सड़क से 300 फीट नीचे गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही सेना के अधिकारी और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के कारण का अभी तक पता नहीं चला है। बीते साल लद्दाख में भी ऐसा ही दर्दनाक हादसा हुआ था। अगस्त मेंभारतीय सेना का एक वाहन हादसे का शिकार हुआ था। ये दुर्घटना लेह के पास क्यारी गांव में हुई थी। यहां सेना का वाहन खाई में गिर गया था। इस हादसे में नौ जवानों ने जान गंवाई थी। इसमें एक जेसीओ (जूनियर कमीशन अफसर) भी थे। सेना के काफिले में तीन वाहन शामिल थे। इसमें से ही एक वाहन हादसे का शिकार हुआ था। इस काफिले -शेष पृष्ठ दो पर

सेमीकंडक्टर का किंग बनेगा भारत

चार बड़े समझौतों पर लगी मुहर, साइन हुआ एमओयू

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वह भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं। यह बात उन्होंने गुरुवार को सिंगापुर के पीएम लौरेंस वोंग के साथ हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान कही। दोनों नेताओ ने भारत और सिंगापुर के मौजूदा रणनीतिक साझेदारी संबंधों को दर्जा बढ़ा कर समग्र रणनीतिक साझेदारी करने का फैसला किया। तीन हफ्तों के भीतर हिंद प्रशांत क्षेत्र का दूसरा देश है जिसके साथ भारत ने अपने रिश्तों की दर्जा बढ़ाया है। पिछले पखवाड़े 20 अगस्त, 2024 को भारत और मलेशिया के बीच ऐसी ही सहमति बनी थी। इसका मतलब यह हुआ कि इन देशों के साथ भारत रक्षा, कारोबार, सैन्य, संचार जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे के हितों की रक्षा करने में सहयोग दें। मोदी और वोंग की अगुवाई में दोनों देशों के बीच चार अहम समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए हैं। ब्रुनेई की यात्रा के बाद पीएम मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचे थे। गुरुवार को उनकी पीएम वोंग और राष्ट्रपति थर्मन शन्मुगरत्नम के साथ मुलाकात की। जबकि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की अगुवाई में आधिकारिक वार्ता हुई। वोंग सिंगापुर में चौथी पीढ़ी के प्रधानमंत्री हैं जिस पर पीएम मोदी ने उन्हें खास तौर पर बधाई दी। मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है फोर-जी (चौथी पीढ़ी) के नेतृत्व में, सिंगापुर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

केंद्र ने एनएससीएन के साथ संघर्ष विराम समझौते की अवधि को बढ़ाया

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत सरकार और उग्रवादी संगठन नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (के) निक्की समूह ने आपसी सहमति से संघर्ष विराम समझौते को एक साल के लिए बढ़ाने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि भारत सरकार और नेशनल सोशलिस्ट -शेष पृष्ठ दो पर

आरजी कर कांड : भाजपा विधायक ने की *शिक्षारत्न* सम्मान लौटाने की घोषणा

पूर्व मेदिनीपुर (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में शिक्षक और रंगमंच से जुड़े लोग आरजी कर की घटना के विरोध में राज्य सरकार द्वारा दिए गए सम्मान लौटाने की घोषणा करने लगे हैं। इस सूची में अब दक्षिण कांथी से भाजपा विधायक अरुप कुमार दास का नाम शामिल हो गया है। उन्होंने शिक्षारत्न पुरस्कार लौटाने की घोषणा की है। अरुप को यह -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा के मेगा सदस्यता अभियान

पिछले तीन दिनों में बने एक करोड़ से अधिक सदस्य

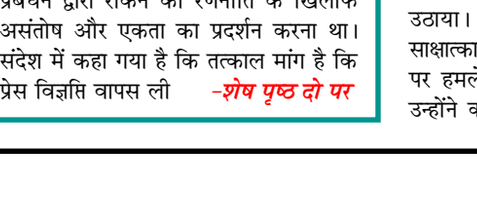

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मेगा सदस्यता अभियान में पिछले तीन दिनों में एक करोड़ से अधिक सदस्य पंजीकृत हुए हैं। गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक लाल कृष्ण आडवाणी के आवास पहुंचे और उन्हें सदस्यता नवीनीकरण का प्रमाण पत्र दिया। इसके साथ उन्होंने डॉ मुरली मनोहर जोशी को भी नवीनीकरण प्रमाण पत्र दिया। गुरुवार को -शेष पृष्ठ दो पर

स्वामी नारायण मंदिर का निर्माण भारत और यूएई के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण है : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत की यात्रा पर आए संयुक्त अरब अमीरात के संसदीय शिष्टमंडल ने आज संसद भवन परिसर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ मुलाकात की। शिष्टमंडल का नेतृत्व रक्षा, आंतरिक और विदेशी मामलों की समिति के प्रमुख डॉ. अली राशिद अल नुआइमी कर रहे हैं। भारत और यूएई के बीच सदियों पुरानी सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक साझेदारी के इतिहास को उद्धृत करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आजादी के बाद से ही दोनों देशों के बीच लोगों से लोगों के जुड़ाव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक यूएई में रहते हैं और वहां की प्रगति में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के नागरिकों के बीच पारस्परिक समझ तथा साझेदारी को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर -शेष पृष्ठ दो पर

इलेक्ट्रिक वाहनों को सब्सिडी देने की जरूरत नहीं : गडकरी

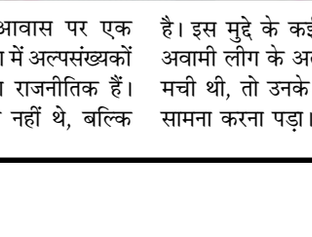

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माताओं को सब्सिडी जारी रखने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने सब्सिडी जारी रखने की जरूरत से इनकार करते हुए अब लोग खुद ईवी या सीएनजी वाहनों को पसंद कर रहे हैं। नितिन गडकरी ने बीएनईएफ सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही है। उन्होंने कहा कि पहले इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण की लागत बहुत अधिक थी। लेकिन अब मांग बढ़ चुकी है और इसकी उत्पादन लागत भी घट गई है। ऐसी स्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

सेबी कर्मचारियों ने मुंबई कार्यालय पर किया विरोध प्रदर्शन, माधबी पुरी बुच के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। नियामक लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब नियामक के कमर्चारियों ने जारी किए गए आधिकारिक बयान पर असंतोष व्यक्त किया है। सेबी द्वारा जारी किए गए बयान के बाद अब कर्मचारियों का गुस्सा भी फूटा है। कर्मचारियों ने सेबी के बयान पर आपत्ति जताई है। इसमें वित्त मंत्रालय को लिखे उनके पिछले पत्र को - जिसमें गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति के मुद्दों का विवरण दिया गया था कि *बाहरी तत्वों द्वारा गुमराह किया गया* बताया गया था। लगभग दो घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन का समापन कर्मचारियों के अपने कार्यालयों में लौटने के साथ हुआ। सेबी ने अपने बचाव में विषाक्त कार्य वातावरण के दावों का खंडन किया था। सेबी ने सभी आरोपों को गलत बताया था। कर्मचारियों के बीच साझा किए गए एक मैसेज की मानें तो विरोध का उद्देश्य प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सेबी के शीर्ष प्रबंधन द्वारा रोकने की रणनीति के खिलाफ असंतोष और एकता का प्रदर्शन करना था। संदेश में कहा गया है कि तत्काल मांग है कि प्रेस विज्ञप्ति वापस ली -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले सांप्रदायिक नहीं मुद्दा बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया : यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के फिर बिगड़े बोल सामने आए हैं। उन्होंने कहा है कि उनके देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों के मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है और उन्होंने भारत द्वारा इसे पेश करने के तरीके पर भी सवाल उठाया। यहां अपने आधिकारिक आवास पर एक साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले सांप्रदायिक से कहीं ज्यादा राजनीतिक हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले सांप्रदायिक नहीं थे, बल्कि राजनीतिक उथल-पुथल का नतीजा थे, क्योंकि ऐसी धारणा है कि ज्यादातर हिंदू अपदस्थ हो चुकी अवामी लीग सरकार का समर्थन करते थे। नोबेल पुरस्कार विजेता ने बताया कि मैंने (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी से भी कहा है कि यह बात बढ़ा-चढ़ाकर कही जा रही है। इस मुद्दे के कई आयाम हैं। जब शेख हसीना और अवामी लीग के अत्याचारों के बाद देश में उथल-पुथल मची थी, तो उनके साथ खड़े लोगों को भी हमलों का सामना करना पड़ा। प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीएम ने सिंगापुर के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

सिंगापुर/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्किल डेवलपमेंट पर केंद्र सरकार के विशेष जोर का उल्लेख करते हुए सिंगापुर के कारोबारियों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित किया है। बिजनेस लीडर्स को अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र काशी (वाराणसी) में निवेश करने के लिए आमंत्रित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ऐतिहासिक शहर में प्रसिद्ध भारतीय *पान* का भी जिक्र किया। सिंगापुर में बिजनेस लीडर्स समिट को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भी भारत में पान की चर्चा होती है, तो वह वाराणसी के बिना अधूरी रह जाती है। मैं वाराणसी से सांसद हूं। सिंगापुर बिजनेस लीडर्स के साथ बैठक में उन्होंने हल्के-फुल्के लहजे में कहा कि यदि आप पान खाने का आनंद लेना चाहते हैं, तो आपको काशी में निवेश करना चाहिए। उन्होंने भारत में वैश्विक निवेश का आह्वान करते हुए एक अनूठा संदेश देते हुए व्यापारिक समुदाय को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कौशल विकास एक ऐसा मुद्दा है जो हमारी सभी चर्चाओं में उभर कर आता है। भारत में हम इंडस्ट्री 4.0 को ध्यान में रखते हुए और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र को देखते हुए कौशल विकास पर बहुत बल दे रहे हैं। भारत की आवश्यकताओं के साथ कौशल विकास संबंध एक ग्लोबल जॉब मार्केट से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर आपकी (सिंगापुर) कंपनियां ग्लोबली क्या चल रहा है, उसका सर्वे करें और ग्लोबल डिमांड का विश्लेषण करें और उसके अनुसार भारत में कौशल विकास के लिए आएं, तो ग्लोबल जॉब मार्केट को बड़ी आसानी से एड्रेस कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उनका तीसरा कार्यकाल है। जो लोग भारत से परिचित हैं, उन्हें पता होगा कि 60 साल बाद किसी सरकार को तीसरी बार जनादेश मिला है। इसके पीछे का कारण हमारी सरकार की नीतियों में लोगों का विश्वास है। अगर दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला कोई विमानन क्षेत्र है, तो वह भारत में है। एमआरओ होना हमारी प्राथमिकता है। आपको (व्यवसायों को) हवाई अड्डों के विकास में निवेश करने के लिए भारत आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम भारत में एक प्रतिस्पर्धी विमानन क्षेत्र चाहते हैं।

अगले महीने देशभर में शुरू होगा प्रकृति परीक्षण अभियान

एक करोड़ नागरिकों की होगी प्रकृति की जांच

नई दिल्ली (हि.स.)। आयुष मंत्रालय एक अक्तूबर से देश में प्रकृति परीक्षण अभियान चलाएगा। इस अभियान को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग पर रहेगी। गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने कहा कि प्रकृति का स्वास्थ्य रक्षण में बहुत महत्व होता है, प्रकृति की जानकारी से आम नागरिक खुद को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या, ऋतुचर्या के अनुरूप अपने नित्य कार्यों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर स्वस्थ रह सकते हैं । इस बात को ध्यान में रखते हुए देश को सकारात्मक स्वास्थ्य की ओर बढ़ने में यह प्रकृति प्रशिक्षण अभियान मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत देश भर के एक करोड़ से ज्यादा नागरिकों का प्रकृति परीक्षण देश के आयुर्वेद महाविद्यालयों के 1,35,000 विद्यार्थी 20,000 स्नातकोत्तर शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी 18,000 अध्यापक तथा तीन लाख चिकित्सक, ऐसे कुल मिलाकर साढ़े चार लाख लोगों के माध्यम से किया जाएगा, जिन्हें प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक कहा जाएगा। इस अभियान के तहत प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक घर घर जा कर लोगों की प्रकृति का परीक्षण करेंगे। इस अभियान के कारण आयुर्वेद के प्रति जन सामान्य का रुझान बढ़ेगा और आयुर्वेद की अर्थव्यवस्था को भी गतिमानता से विकास पथ पर आगे बढ़ाने में मदद होगी।

ECF:- 338913/693

NOTICE

Applications are invited from intending ST (Plains) candidates for availing benefits under “Financial Assistance to ST (Plain) students of Assam ualified for appearing in mains examination of Union Public Service Commission or Assam Public Service Commission (APSC) for the year 2024-25”. Applicants have to apply in the prescribed format uploaded in the official website “www.directorwptbc.assam.gov.in” for the same along with all the relevant documents addressed to the office of the **Directorate of Tribal Affairs (Plain), Assam, Rukmini Nagar, Dispur Last Gate, Satrinivash Path, Ghy-6** on or before 30th September, 2024 positively if he/she fulfills the following **conditions:-**

1. He/She must belong to ST (Plain) community of Assam.

2(a). He / She must have passed the UPSC preliminary exam held on 16/06/2024.

OR

2(b). He / She must have passed the APSC preliminary exam held on 18/03/2024.

3. Applicants who have availed the benefit in previous years will not be eligible.

There shall be no income limit for availing this benefit.

-- Janasanyog /D/5181/24/6-Sep-24

Director,
Tribal Affairs (P), Assam

खारुपेटिया में बेटे ने की मां की हत्या

दरंग (हिंस)। दरंग जिले के खारुपेटिया में एक व्यक्ति ने अपनी मां की हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि खारुपेटिया के टिलापट्टी में बीती रात यह नृशंस हत्या हुई। मिली जानकारी के मुताबिक बेटे गणेश दास ने अपनी मां अरुणा दास (50) की लोहे की रॉड से मारकर हत्या कर दी। मां को उसका बेटा गणेश दास अक्सर पीटा करता था। खारुपेटिया पुलिस मौके पर पहुंचकर हत्यारे बेटे गणेश दास को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना को लेकर खारुपेटिया में कड़ी प्रतिक्रिया व्याप्त है।

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री ने शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सराहा

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शिक्षक दिवस पर देश के सभी शिक्षकों को प्रणाम करते हुए उनके अमूल्य योगदान की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा है कि आज पवित्र शिक्षक दिवस है। यह दिन प्रसिद्ध शिक्षाविद और देश के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। इस शुभ दिन पर मैं पूज्य राधाकृष्णन को अपना श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। मैं देश के हर शिक्षक को अनके अमूल्य योगदान के लिए बहुत आदर के साथ प्रणाम करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि हम असम के शिक्षकों को विकास का एक सुरक्षित और स्थिर मार्ग देकर उनके योगदान का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा है कि हाल ही में, हमने 24 हजार संविदा शिक्षकों की सेवाओं को नियमित किया, जिससे उन्हें विकास का अवसर मिला और उनका मनोबल बढ़ा, जिससे हमारे स्कूलों में शिक्षण मानकों में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने एक अन्य पोस्ट कर राज्य की महान महिला इन्दिरा मिरी को याद करते हुए कहा है कि उन्होंने शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए जनजागरण का परिचय दिया है। मिरी, जो प्रचुर प्रतिभा और अंतहीन दृढ़ता के बल से स्वयं स्थापित हुई, तत्कालीन नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (एनईएफए) में शिक्षा के विस्तार के लिए एक शिक्षा अधिकारी रही हैं। असम के लोग असम ही नहीं, उत्तर-पूर्व क्षेत्र के शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान को हमेशा याद रखेंगे।

भबेश कलिता को जन्मदिन पर सीएम ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता को उनके जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर कहा है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं विधायक भबेश कलिता को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। वे भाजपा असम प्रदेश को प्रेरक नेतृत्व कर रहे हैं और हमारे संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

बगैर अनुमति के ...

कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। उल्लेखनीय है कि अपनी यात्रा के पहले दिन मुख्यमंत्री ने मंगलवार को शोणितपुर जिले में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वहीं, यात्रा के दूसरे दिन मुख्यमंत्री लखीमपुर जिले में पहुंचे। लखीमपुर में मुख्यमंत्री ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। लखीमपुर में बुधवार की रात असम कैबिनेट की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। लखीमपुर में रात्रि विश्राम के बाद गुरुवार की सुबह मुख्यमंत्री लखीमपुर स्थित ऐतिहासिक पदुमनि आई थान पहुंचे। वहां पूजा अर्चना करने के बाद मुख्यमंत्री डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय विधायक मानव डेका भी मौजूद रहे। इसके बाद अपनी यात्रा के तीसरे दिन आज मुख्यमंत्री डिब्रूगढ़ में हैं।

असम समझौते की...

बैठक में समिति की *67 सिफारिशों में से 57* को लागू करने का फैसला किया। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह निर्णय न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिप्लब शर्मा के नेतृत्व वाली समिति की रिपोर्ट को *विस्तार से* देखने के बाद लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समिति ने अपनी सिफारिशें पेश की थीं, तो हमने मामले का अध्ययन करने के लिए तीन साल का समय मांगा था। आज हमने रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की। और, इसकी जांच करने के बाद, हमने समिति की 67 सिफारिशों में से 57 को लागू करने का फैसला किया है, जो राज्य सरकार के दायरे में आती हैं। उन्होंने कहा कि असम के लोग लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे - न्यायमूर्ति बिप्लब शर्मा समिति की सिफारिशों की प्रक्रिया अब शुरू हो गई है। शर्मा ने कहा कि शेष दस सिफारिशें, जो केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती हैं, नई दिल्ली के समक्ष उठाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही उनमें से एक या दो सिफारिशों को लागू कर दिया है, और अन्य दस पर किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए चर्चा की जाएगी। हालांकि सिफारिशों का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन सीएम शर्मा ने कहा कि उन्हें *तीन से चार दिनों* के भीतर मीडिया के सामने घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्रियों का एक समूह ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) और क्लॉज 6 के कार्यान्वयन की मांग करने वाले अन्य संगठनों के साथ सिफारिशों पर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने सिफारिशों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए एक रोडमैप भी तैयार किया है। *बाहरी लोगों* या *विदेशियों* के खिलाफ आसू के छह साल लंबे आंदोलन के परिणामस्वरूप 1985 में असम समझौता हुआ। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि छात्र संगठन ने सरकार के फैसले को सकारात्मक रूप से लिया है और सिफारिशों को लागू करने के लिए राज्य को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। आसू के अध्यक्ष ने कहा कि असम आंदोलन के छह साल और असम समझौते के 40 साल - 45 से ज्यादा सालों से - असम के लोग असम समझौते के खंड 6 के कार्यान्वयन के लिए रैली कर रहे हैं। अब वे बस नतीजा चाहते हैं। आसू ने इस पर सकारात्मक रूप से विचार किया है। समझौते का हर खंड प्रासंगिक है और असम के मूल निवासियों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कार्यान्वयन प्रक्रिया के दौरान छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले कार्बी आंग्लांग, डीमा हसाउ और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के अधिकारियों से मंजूरी ली जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ी संवेदनशीलता को ठेस न पहुंचे। सीएम शर्मा ने कहा कि हम छठी अनुसूची के क्षेत्रों में उचित मंजूरी के बाद ही सिफारिशें लागू करेंगे। इसी तरह, भाषा से संबंधित कुछ सिफारिशों को लागू करने से पहले हमें बराक घाटी के लोगों की मंजूरी लेनी होगी। उन्होंने कहा कि छठी अनुसूची और बराक क्षेत्र से संबंधित सिफारिशों को छोड़कर शेष 57 सिफारिशों को तुरंत लागू किया जाएगा। शर्मा ने यह भी घोषणा की कि इन सिफारिशों के साथ-साथ, भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा पहले से की गई कार्रवाई और भविष्य में शुरू किए गए उपाय असमिया लोगों के भविष्य की रक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम असमिया लोगों के लिए एक बड़ा *सुरक्षा चक्र* बनाने में सक्षम होंगे। मैंने आज (बुधवार) न्यायमूर्ति बिप्लब शर्मा की रिपोर्ट को ध्यान से पढ़ा, और मुझे लगता है कि उन सिफारिशों के साथ-साथ भविष्य में हम जो उपाय लागू करेंगे, वे स्वदेशी लोगों के भूमि अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। चार साल पहले, फरवरी में, अंतिम रिपोर्ट की सिफारिशों के *समय से पहले लीक* से पता चला कि उच्चस्तरीय समिति ने सर्वसम्मति से 1951 को मूल असमिया लोगों को परिभाषित करने के लिए आधार वर्ष के रूप में अनुशंसित किया था, अर्थात वे लोग जो खंड 6 के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए पात्र होंगे। ऐसा माना जाता है कि 1951 को आधार वर्ष के रूप में निर्धारित करने की सिफारिश से 1951 के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में शामिल मूल असमिया लोगों और उनके वंशजों को उनके समुदाय, जाति, भाषा, धर्म या विरासत के बावजूद संवैधानिक सुरक्षा का अधिकार मिलेगा। इसके अलावा, समिति ने भूमि अधिकारों की सुरक्षा के उपायों के साथ-साथ पूरे राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लागू करने का भी सुझाव दिया है। यह भी पढ़ें: 2022 मिजोरम हथियार और विस्फोटक मामले में एनआईए ने 10 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया, जो *म्यांमार स्थित विद्रोहियों से जुड़े* आसू अध्यक्ष ने दिप्रिंट से बातचीत में खुलासा किया कि छात्र संगठन ने चार साल पहले रिपोर्ट लीक कर दी थी, क्योंकि केंद्र के आश्वपासन के बावजूद इसे नजरअंदाज किया गया था। उत्पल शर्मा ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शनों के चरम पर, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने क्लॉज 6 के कार्यान्वयन के लिए सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए इस समिति का गठन किया था। आसू के अध्यक्ष, महासचिव और मुख्य सलाहकार उस समिति का हिस्सा थे। समिति ने रिपोर्ट प्रस्तुत की, और गृह मंत्रालय की ओर से, असम कैबिनेट ने उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। लेकिन जब आगे कुछ नहीं हुआ, तो आसू ने इसे सार्वजनिक कर दिया। आसू अध्यक्ष ने यह भी कहा कि समिति की कुछ सिफारिशों को लागू करने के लिए सरकार को *संवैधानिक संशोधन* की आवश्यकता होगी। इनमें असम के लिए अलग उच्च सदन, स्थानीय निकायों से लेकर विधानसभा और संसद तक असमिया लोगों के लिए सीट आरक्षण और सभी सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों में नौकरियों के लिए सिफारिशें शामिल हैं। उत्पल शर्मा ने कहा कि बाकी सिफारिशों को तुरंत दिल्ली के समक्ष उठाया जाना चाहिए ताकि रिपोर्ट पूरी तरह से लागू हो सके। चार दशकों से अधिक समय से चल रहे लंबे संघर्ष को याद करते हुए आसू अध्यक्ष ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने असम में विदेशी नागरिकों के विवादास्पद मुद्दे के प्रति सद्भावना की कमी दिखाई है। उन्होंने कहा कि पहली बार राज्य सरकार 85 प्रतिशत सिफारिशों को लागू करने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर रही है। सड़क पर विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से उठाए गए सभी मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। इरादा अच्छा होना चाहिए और सरकार को इसे परिणामों में दिखाना होगा।

मणिपुर में उपद्रवियों ...

में आग लगा दी। जिले में पहले हुई हिंसा के बाद सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी अपने परिवार के साथ घर से बाहर चले गए थे। जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ अधिकारियों की उपस्थिति में मणिपुर के जिरीबाम जिले की सीमा से लगे असम के कछार जिले में जिरीबाम के मैतेई, मार, थाडू, पाइते और मिजो समुदायों के शीर्ष नेताओं की एक बैठक हुई। बैठक में जिले में सामान्य स्थिति बहाल करने और आगजनी रोकने के लिए सभी समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता हुआ। उसके बावजूद आज इस घटना के घटित होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

असम में बाढ़ : यूएसटीएम...

यह भी दावा किया था कि यूनिवर्सिटी के गेट का डिजाइन इस्लामिक है। इसे लेकर मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के सांग्मा ने कहा कि यूएसटीएम के मुद्दे पर असम के सीएम और मेरी बात हुई है। इसमे तय हुआ कि असम और मेघालय के अधिकारियों की संयुक्त समिति गठित की जाएगी। जो असम के मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए मामलों की जांच करेगी। दोनों राज्यों के मुख्य सचिव मिलकर समिति का गठन करने की तैयारी कर रहे हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें उम्मीद है कि समिति असम के मुद्दों को सुलझाने में सक्षम होगी। समिति एक सप्ताह में काम शुरू कर देगी। साथ ही अन्य मुद्दों पर भी गौर करेगी। असम के सीएम शर्मा ने बुधवार को कहा था कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) के कुलपति महबूबुल हक ने 1992 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित होने का दावा करते हुए एक प्रमाण पत्र प्राप्त किया था। हालांकि, उसी वर्ष एक शिकायत के आधार पर, अगस्त 1996 में ओबीसी प्रमाण पत्र रद्द कर दिया गया था क्योंकि यह पाया गया था कि हक किसी भी समुदाय से संबंधित नहीं थे। उन्होंने कहा था कि करीमगंज के जिला आयुक्त को तब उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू करनी चाहिए थी। हालांकि, तब ऐसा नहीं किया गया लेकिन अब हम हक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेंगे।

सिक्किम में 300 फीट ...

में सेना के 3 अफसर, 2 जेसीओ और 34 जवान थे। 3 वाहनों के काफिले में 1 जिप्सी, 1 ट्रक और 1 एंबुलेंस थी। हादसे पर दुख जताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा था किलेह के पास हुई दुर्घटना में सेना के जवानों के मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। इस हादसे से एक साल पहले यानी कि 2022 में लद्दाख के तुरतुक सेक्टर में भीषण हादसा हुआ था। श्योक नदी में वाहन के गिरने से 7 जवानों की जान चली गई थी। कई जवान घायल हुए थे। सेना के वाहन में 26 जवान थे। वाहन परतापुर से सब-सेक्टर हनीफ की तरफ जा रहा था। इसी दौरान नदी में गिर जाने से सात जवानों की मौत हो गई। वाहन के सड़क से फिसल जाने के कारण ये हादसा हुआ था।

चार बड़े समझौतों पर...

और अधिक तेजी से प्रगति करेगा। सिंगापुर केवल एक पार्टनर-देश नहीं है। सिंगापुर, हर विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा है। हम भी भारत में अनेकों सिंगापुर बनाना चाहते हैं। और मुझे खुशी है कि हम इस दिशा में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। पीएम मोदी की यात्रा के बाद भारत व सिंगापुर की तरफ से जारी संयुक्त बयान में चीन के आक्रामक रवैये से साउथ चीन सी की मौजूदा स्थिति की तरफ सीधा इशारा किया गया है और इस क्षेत्र के सभी देशों और दूसरे अन्य देश जो इससे जुड़े हुए नहीं हैं, उनके लिए एक आचार संहिता बनाने की मांग की गई है। यह आचार संहिता अंतर्राष्ट्रीय कानून व संयुक्त राष्ट्र की समुद्र से जुड़े नियम (यूएनक्लोज) के तहत बनाने की बात कही गई है ताकि इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता, सुरक्षा और आजादी सुनिश्चित हो। दोनों ने सभी पक्षों को बगैर किसी ताकत का इस्तेमाल किये शांतिपूर्ण तरीके से विवाद का निपटान करने का आग्रह किया है। वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए आतंकवाद को सबसे बड़ा खतरा बताते हुए दोनों देशों ने कहा है कि इसे किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों के बीच सहयोग और बढ़ाया जाएगा। पीएम मोदी ने सिंगापुर में तमिल भाषा के प्राचीन कवि थिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की। उन्होंने सिंगापुर को भारत की एक्ट ईस्ट नीति का सूत्रधार बताया। रणनीतिक संबंधों के 10 वर्षों के दौरान द्विपक्षीय कारोबार के दोगुना होने और सिंगापुर से भारत में होने वाले निवेश के तीन गुणा बढ़ कर 150 अरब डॉलर होने का जिक्र किया। इसके साथ ही रिश्तों का दर्जा समग्र रणनीतिक साझेदारी करने पर खुशी जताई। भारत और सिंगापुर की सरकारों ने चार-चार कैबिनेट मंत्रियों का एक विशेष समूह गठित किया है जो द्विपक्षीय सहयोग का नया एजेंडा तैयार करेगा। इसकी दूसरी बैठक पिछले हफ्ते हुई थी। इस समूह ने चार क्षेत्रों में सहयोग का रोडमैप तैयार किया है जिस पर हस्ताक्षर हुए हैं। बाद में दोनों देशों की तरफ से जारी संयुक्त बयान में बताया गया है कि पीएम मोदी और पीएम वोंग ने पहले से ही मजूबत हो रहे रक्षा संबंधों को और आगे व विस्तारित करने का समर्थन किया है। साथ ही दोनों देशों के बीच वर्ष 2016 में हुए आर्थिक समझौते (सीपा) में संशोधन करने को लेकर हो रही वार्ता को शीघ्र संपन्न करने का निर्देश दिया है।

पिछले तीन दिनों में ...

भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने ट्वीट कर कहा कि पार्टी ने केवल तीन दिनों में एक करोड़ से अधिक सदस्य बनाकर एक रिकॉर्ड बनाया है। भाजपा सदस्यता अभियान लॉन्च के पहले कुछ दिनों के भीतर ही इतिहास लिख रहा है। 02 सितंबर को शुरू हुए संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 में केवल 3 दिनों में 01 करोड़ से अधिक सदस्य जुड़ गए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस अभियान को लेकर देशवासियों और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। विनोद तावढ़े ने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में सदस्यों की संख्या एक और रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने मौजूदा सदस्यों के साथ-साथ नए उत्साही लोगों से मिस्ड कॉल देकर या नमो ऐप के माध्यम से पार्टी की सदस्यता प्राप्त करने की भी अपील की।

स्वामी नारायण मंदिर ...

दिया। उन्होंने कहा कि स्वामी नारायण मंदिर का निर्माण भारत और यूएई के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण है। भारत में प्रौद्योगिकी, नवाचार और निवेश की प्रबल संभावनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वर्ष 2022 में अपनी यूएई की यात्रा का उल्लेख करते हुए बिरला ने विचार व्यक्त किया कि संसदों के बीच नियमित चर्चा संवाद से दोनों देशों के बीच अच्छी समझ विकसित हुई है। उन्होंने वैश्विक और क्षेत्रीय विषयों पर दोनों देशों के बीच आपसी सहमति मजबूत संबंधों का आधार बताया। उन्होंने दोनों देशों में संसदीय शिष्टमंडलों के नियमित रूप से आदान प्रदान को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए आवश्यक बताया। बिरला ने आगे कहा कि भारत और यूएई प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने देशों के विकास और समृद्धि को सुनिश्चित कर रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी संवाद से दोनों देशों की संसदें अपनी उपलब्धियों, सर्वोत्तम प्रथाएं और नवाचार को आपस में साझा कर सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों की संसदों की समितियों के बीच नियमित चर्चा संवाद की परंपरा स्थापित करने की बात की ताकि दोनों देश एक दूसरे के अनुभवों से सीख सकें। भारत की *विश्व् बंधुत्व* की भावना पर प्रकाश डालते हुए बिरला ने कहा कि भारत प्रगति के परस्पर लाभकारी रूप को महत्व देता हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि दोनों देश सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान की परंपरा को नई ऊंचाइयां प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत और यूएई के बीच पर्यटन को और बढ़ावा मिले। यूएई में भारतीय समुदाय का उल्लेख करते हुए उन्होंने इस उपलब्धि को मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण बताया। अल नुआइमी ने दोनों देशों के बीच भाईचारे की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध हैं। लोगों का लोगों से जुड़ाव पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने विकास और समृद्धि की ओर ले जाने वाले व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक संपर्कों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व की भी सराहना की।

इलेक्ट्रिक वाहनों को ...

में ईवी को सब्सिडी देने की जरूरत नहीं रह गई है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उपभोक्ता अब अपनी पसंद से ईवी और सीएनजी वाहनों को खरीदने लगे हैं। मुझे नहीं लगता है कि हमें अब इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अधिक सब्सिडी देने की जरूरत रह गई है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगने वाला गुड्स और सर्विस टैक्स (जीएसटी) पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में कम है। फिलहाल, हाइब्रिड और पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहनों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता है। जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों पर सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लगता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मेरे विचार से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण को अब सरकार द्वारा सब्सिडी दिए जाने की जरूरत नहीं है। सब्सिडी की मांग अब उचित नहीं रह गई है। वहीं, नितिन गडकरी ने ब्लूमबर्ग एनईएफ शिखर सम्मेलन में कहा कि वह अगले पांच साल में भारत को दुनिया का नंबर वन मैन्युफैक्चरिंग हब बनाएंगे। सरकार में भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक दिन पहले कहा था कि सरकार को अपनी इलेक्ट्रिक परिवहन क्रियान्वयन योजना *फेम* के तीसरे चरण को एक-दो महीने में अंतिम रूप देने की उम्मीद है। फेम-3 योजना अस्थायी इलेक्ट्रिक परिवहन प्रोत्साहन योजना, 2024 की जगह लेगी जो इसी महीने खत्म होने वाली है।

सेबी कर्मचारियों ने ...

जाए तथा सेबी के कर्मचारियों के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच को इस्तीफा देना चाहिए। पिछले महीने, सेबी के कर्मचारियों ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर नियामक संस्था पर *अत्यधिक दबाव* को उजागर किया था, जिसके कारण उन्होंने कहा कि *तनावपूर्ण और विषाक्त कार्य वातावरण* पैदा हो गया है। जवाब में, सेबी ने एक प्रेस बयान जारी कर कर्मचारियों की चिंताओं को बाहरी प्रभावों के लिए जिम्मेदार ठहराया, जिसमें उच्च किराये भत्ते की मांग और आंतरिक कार्य प्रदर्शन मानकों की आलोचनाओं पर विवाद का हवाला दिया गया। सेबी ने यह भी दावा किया कि *बाहरी तत्वों* ने कर्मचारियों को जवाबदेही और प्रदर्शन मानकों को अस्वीकार करने के लिए प्रभावित किया था, लेकिन इस बारे में और विस्तार से नहीं बताया। यह विरोध अध्यक्ष बुच के खिलाफ चल रहे आरोपों के बीच हुआ है, जो संभावित हितों के टकराव के लिए जांच के दायरे में हैं। अमेरिका स्थित शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च और विपक्षी राजनीतिक दलों ने बुच पर अडानी समूह से जुड़े ऑफशोर फंड में निवेश करने का आरोप लगाया है, जिसकी वर्तमान में सेबी द्वारा जांच की जा रही है। बुच ने आरोपों से इनकार किया है। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने दावा किया है कि सेबी में शामिल होने के बाद भी बुच को आईसीआईसीआई बैंक से आय प्राप्त होती रही, जहां वह पहले कार्यरत थीं। आईसीआईसीआई बैंक ने इन दावों का खंडन किया है, और बुच और सेबी दोनों ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। आंतरिक अशांति के बावजूद, सेबी ने अपने आधिकारिक बयान में अपने परिचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बांग्लादेश में हिंदुओं ...

शेख हसीना को पद से हटाने के लिए हुए आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदू आबादी को अपने व्यवसायों और संपत्तियों की तोड़फोड़ का सामना करना पड़ा, साथ ही हिंदू मंदिरों को भी नष्ट कर दिया गया। पांच अगस्त को अभूतपूर्व सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं। उन्होंने कहा कि अब, अवामी लीग के कार्यकर्ताओं की पिटाई करते समय, उन्होंने हिंदुओं की भी पिटाई कर दी, क्योंकि ऐसी धारणा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं का मतलब अवामी लीग समर्थक है। मैं यह नहीं कह रहा कि जो हुआ वह सही है, लेकिन कुछ लोग इसे संपत्ति जब्त करने के बहाने के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इसलिए, अवामी लीग समर्थकों और हिंदुओं के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं है।

केंद्र ने एनएससीएन के ...

काउंसिल ऑफ नगालैंड (के) निकी समूह के बीच संघर्ष विराम समझौते को एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया है। मंत्रालय के अनुसार संघर्ष विराम समझौते को 8 सितंबर 2024 से 7 सितंबर तक एक वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इस समझौते पर 6 सितंबर 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे।

आरजी कर कांड : भाजपा ...

पुरस्कार 2011 में पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक के रूप में मिला था। वह 2017 में सेवा सेवानिवृत्त हुए। वर्ष 2021 में भाजपा ने उन्हें विधानसभा का टिकट दिया और वे विधायक बने। अब उन्होंने घोषणा की है कि वह गुरुवार को कांथी में शिक्षक दिवस समारोह में अपना पुरस्कार लौटा देंगे। अरुप ने कहा वे आरजी कर घटना के विरोध में सरकार द्वारा दिया गया यह सम्मान लौटा देंगे। उल्लेखनीय है कि अलीपुरद्वार के सेवानिवृत्त शिक्षक परिमल दे ने हाल ही में आरजी कर मामले में राज्य सरकार की भूमिका के विरोध में *बंगरत्न* लौटाने की घोषणा की थी। नाटककार चंदन सेन ने रंगमंच के क्षेत्र का सर्वोच्च सम्मान *दीनबंधु मित्र पुरस्कार* लौटाने की घोषणा की है। निर्देशक बिप्लब बनर्जी ने नाट्य अकादमी द्वारा दिए जाने वाले सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार को यह कहते हुए अस्वीकार करने की घोषणा की है कि वह *अंध वफादारी* स्वीकार नहीं करते हैं। दरअसल वाम जमाने के अंतिम चरण में नंदीग्राम ने *हिंसा, पुलिसिया आतंक* के विभिन्न आरोपों पर सरकारी समितियों को छोड़ने और पुरस्कार लौटाने की घटनाएं घटी थीं। आरजी कर कांड के बाद राज्य में एक बार फिर वही प्रवृत्ति देखने को मिल रही है।

शिक्षा देश की पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का साधन है : राज्यपाल

राज्यपाल आचार्य ने शिक्षक दिवस पर वरिष्ठ शिक्षक को सम्मानित किया

गुवाहाटी (हिंस)। शिक्षक दिवस के अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने पलाशबाड़ी के फूलगुरी गांव के 94 वर्षीय वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय शिक्षक नवीन चंद्र दास के घर जाकर उन्हें स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र, शॉल, पुष्पमाला, सराय, जापी, गमछा, फलों की टोकरी, छाता और 21 हजार रुपए की दक्षिणा देकर सम्मानित किया। इसके अलावा राज्यपाल ने शिक्षक के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उन्हें कुर्सी भेंट की, जबकि वे स्वयं एक अन्य कुर्सी पर बैठे थे। राज्यपाल ने शिक्षक से बात की और शिक्षक के रूप में उनकी लंबी और महत्वपूर्ण भूमिका को याद करने के अलावा उनके स्वास्थ्य और योगदान के बारे में भी जानकारी ली। राज्यपाल ने शिक्षक को धन्यवाद दिया और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की, क्योंकि वे मानव संसाधन को विकसित करने के लिए जिम्मेदार थे और उन्होंने अपने छात्रों को देश के सम्मानित नागरिक बनाने में मदद की। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान, समर्पण और सेवा के लिए मैं

नवीन चंद्र दास के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त करता हूं। वे समाज से सभी प्रशंसा और सम्मान के पात्र हैं। शिक्षा और शिक्षण के प्रति उनका समर्पण और उनकी प्रतिबद्धता वास्तव में भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शिक्षक दिवस के विशेष अवसर पर उनके आवास पर आना, उनसे मिलना और उनसे बात करना एक संतुष्टिदायक क्षण बन गया है। गुवाहाटी की सांसद बिजुली कलिता मेधी, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली भी राज्यपाल के साथ शिक्षक के आवास पर गईं। इससे पहले, राज्यपाल आचार्य ने शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन में आयोजित एक समारोह में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए आचार्य ने कहा कि शिक्षकों की भूमिका और उनका समर्पण और उनकी दृढ़ता छात्रों को आकार देने और राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में मौलिक है। एक वक्ता, दार्शनिक, शिक्षाविद और बाद में भारत के राष्ट्रपति के रूप में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की अमूल्य भूमिका उल्लेखनीय थी। उनकी गहन बुद्धि और विशाल ज्ञान आज भी पीढ़ियों को प्रेरित और प्रभावित करता है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा राष्ट्र के भविष्य को आकार देने की सबसे संभावित शक्ति है। राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) का उल्लेख करते हुए, जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संस्थानों को अधिक दक्षता के साथ उच्च शिक्षा में पहुंच, समानता और उत्कृष्टता के उच्च स्तर को प्राप्त करने की दृष्टि से वित्त पोषित करने के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना है, राज्यपाल ने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र की पूरी क्षमता को प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

कलंग नदी में नाव पलटने से महिला और किशोर डूबे

नगांव (हिंस)। जिले के रोहा के मनिपुरटूप में कलंग नदी में गुरुवार सुबह एक नाव पटलने से दो लोगों की डूब गए। रोहा पुलिस और एसडीआरएफ ने नदी में तलाशी अभियान आरंभ चलाया है। खबर लिखे जाने तक दोनों का पता नहीं चल सका था। जानकारी के अनुसार मनिपुरटूप से नामगांव जाते समय कलंग नदी को एक नाव से चार लोग जा रहे थे। तभी अचानक संतुलन बिगड़ने पर नाव पलट कर डूब गई।नाव सवार दो लोग तैरकर किनारे पर पहुंच गए, लेकिन महिला और किशोर लापता डूब गए। डूबने वाली महिला की पहचान नीलिमाई लोफोंग (40) और किशोरी की पहचान अख्तर हुसैन (16) के रूप में हुई है। दोनों मनिपुरटूप भकटगांव के रहने वाले बताए गए हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची रोहा पुलिस और एसडीआरएफ ने तलाशी अभियान आरंभ किया। स्थानीय लोगों ने बताया है कि वर्ष 2013 में घटनास्थल पर दो बार पक्का पुल बनाने के लिए शिलान्यास किया गया, लेकिन ठेकेदार की लापरवाही के चलते आज 12 साल बीत जाने के बावजूद पुल पूरा नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र के लोगों को छोटी नाव से पार करना पड़ता है और ऐसी दुर्घटनाएं हो रही हैं।

बीटीसी ईएम डॉ. स्वर्गियारी ने उदालगुड़ी में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अभियान चलाया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो के विजन से प्रेरित होकर, सूचना एवं जनसंपर्क और पीएचई आदि के लिए बीटीसी ईएम डॉ. निलुट स्वर्गीयारी उदालगुड़ी जिले में शैक्षणिक मानकों को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस पहल के हिस्से के रूप में, डॉ. स्वर्गीयारी ने 4 सितंबर को प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें ओरांग में कलागुरु जूनियर कॉलेज और रोता डिग्री कॉलेज, रोता चरियाली में एक नई तीन मंजिला इमारत शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शैक्षणिक सुविधाओं को बढ़ाना और छात्रों के लिए बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करना है। उन्होंने रोता डिग्री कॉलेज में 6वें फ्रेशमेन सोशल मीट 2024 में भी भाग लिया, जहां उन्होंने अनुशासन, समय की पाबंदी और पढ़ने के प्रति प्रेम के महत्व पर जोर दिया, यह देखते हुए कि ये आदतें शैक्षणिक सफलता और व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। डॉ. स्वर्गियारी ने कट पुरी ग्राम संगठन द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में भाग लिया, जहां उन्होंने छात्रों को उनके उत्कृष्ट और परिणामों के लिए बधाई दी और उन्हें उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके अतिरिक्त, डॉ. स्वर्गियारी ने राज्य और केंद्र सरकार में ग्रेड तीन और ग्रेड चौथे पदों को लक्षित करने वाले युवा नौकरी के इच्छुक लोगों के लिए 10-दिवसीय निःशुल्क कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया है। 1 से 10 सितंबर तक जेबी हैगर मेमोरियल हाई स्कूल, रौता में चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य उम्मीदवारों को भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करना है। ये बुनियादी ढांचे और कोचिंग पहल बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो के शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने और बीटीआर में युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं।

प्रदेश कांग्रेस ने पूरे राज्य में गुरु प्रणाम कार्यक्रम चलाया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस (एपीसीसी) ने आज सफलतापूर्वक गुरु प्रणाम के जरिए शिक्षक दिवस मनाया। राज्य के विभिन्न हिस्सों में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शिक्षकों को सम्मानित किया और आनेवाले दिनों में खुशहाली और शांति के लिए आशीर्वाद लिया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने आज बिहपुरिया में तीन शिक्षाविदों उमेश शास्त्री, बदन बोरा और थानेश्वर कलिता के घर जाकर शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया और उन्हें सम्मान दिया। सांसद रकीबुल हुसैन ने मंडिया में सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर असम प्रदेश कांग्रेस शिक्षा प्रकोष्ठ ने आज राजीव भवन में शिक्षक दिवस मनाया। बैठक की अध्यक्षता शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विश्वजीत भुइयां ने की। सांसद प्रद्युत बरदलै ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के गुणों का बखान किया और कहा कि वे भारतीय संसदीय प्रणाली में त्याग के प्रतीक थे। जब उन्होंने राज्यसभा के अध्यक्ष का पदभार संभाला, तो उन्होंने सदन में की गई गलतियों की ओर इशारा किया। यहां तक कि उस समय के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की भी आलोचना करने से नहीं चूके। उन्होंने कहा कि आज इस दार्शनिक को याद करना उनका सौभाग्य है। छह शिक्षकों में बरभाग कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल फणीधर डेका, ग्वालपाड़ा लॉ कॉलेज के अनवर हुसैन, बरहाट न्यू हाई स्कूल के बीरेन बोरा, चाराइदेव, डॉ. भीमराव अंबेडकर हाई स्कूल, बरकला के टोंकेश्वर दास और लैलुरी हाई स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक खनिंद्र कुमार गोस्वामी को फूलों का गुलदस्ता और गामोछा देकर सम्मानित किया गया। समारोह में एपीसीसी के वरिष्ठ नेता बिपुल गोगोई, बालिका पेगु और रूपा देवी मौजूद रहे। कांग्रेस नेता डॉ. उदयादित्य भराली, अपूर्व बरुवा, मनोरमा शर्मा, डॉ. दयानंद पाठक और डॉ. दिनेश बैश्य के घर जाकर उन्हें सम्मानित किया। कांग्रेस नेता मेहदी आलम बोरा, रितुपर्ण कोंवर, संबित शर्मा, इमदाद हुसैन और शफी जमाल हुसैन ने आज गुवाहाटी में अलग-अलग शिक्षकों को सम्मानित किया। एपीसीसी ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में *गुरु प्रणाम* कार्यक्रम भी शुरू किया है।

चिरांग : शिक्षक दिवस के मौके पर शैक्षणिक प्रगति और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया

विकसित भारत समाचार

चिरांग। शिक्षा विभाग, बीटीसी ने चिरांग बीटीआर के धालीगांव स्थित बीजीआर टाउनशिप के आरसीसीसी ऑडिटोरियम में प्रतिष्ठित शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) श्री प्रमोद बोड़ो उपस्थित थे। यह कार्यक्रम समाज को आकार देने में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए समर्पित था। इसमें छात्रों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया और बीटीसी क्षेत्र में शिक्षा को गति देने के लिए विभिन्न पहलों पर चर्चा की गई। प्रमुख पहलों में बोडोलैंड युवा रोजगार मिशन का शुभारंभ और अंतरिक्ष शिक्षा को बढ़ाने के लिए 10 अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल थी। अपने संबोधन में, माननीय सीईएम श्री प्रमोद बोड़ो ने सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए शिक्षक समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने गुरुकुल से आधुनिक संस्थानों तक शिक्षा के विकास पर विचार किया और इस बात पर जोर दिया कि

शैक्षिक बुनियादी ढांचे में बदलाव के बावजूद शिक्षण के मूल उद्देश्य स्थिर रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों में सर्वश्रेष्ठ लाने और टीम वर्क की भावना बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षा में दस प्रमुख कार्यक्रमों पर भी चर्चा की। लोकसभा सांसद (एमपी) जयंत बसुमतारी ने विद्यार्थियों की क्षमता और शैक्षिक मानकों को ऊपर उठाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र को बढ़ाने के लिए नए शिक्षकों की नियुक्ति और स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए हाल के प्रयासों को स्वीकार किया। राज्यसभा सांसद रवांग्रा नारजारी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं और माननीय सीईएम श्री प्रमोद बोडो के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए सकारात्मक बदलावों के बारे में बात की। उन्होंने शिक्षकों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया और इस बात पर जोर दिया कि विभाग की सफलता के लिए सामूहिक प्रयास और समन्वय आवश्यक है। इस कार्यक्रम में साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए श्री हरि नारायण खाखलारी और श्री बद्री गुरगैन को प्रतिष्ठित *प्रमोद चंद्र ब्रह्मा साहित्य पुरस्कार* प्रदान करना भी शामिल था। गुणोत्सव के परिणामों और समग्र स्कूल प्रदर्शन के आधार पर छह स्कूलों को उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार दिए गए। शीर्ष प्राथमिक और मध्य विद्यालयों के साथ-साथ लगातार तीन वर्षों तक ए+ ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यालयों और एचएसएलसी और एचएसएसएलसी परीक्षाओं में प्रभावशाली उत्तीर्ण दर वाले विद्यालयों को अतिरिक्त सम्मान प्रदान किए गए। 2024 में एचएसएलसी और एचएसएसएलसी परीक्षाओं में प्रथम रैंक प्राप्त करने के लिए चिरांग जिले के 55 विद्यालयों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में सांसद लोकसभा जयंत बसुमतारी, सांसद राज्यसभा रवंगवरा नारजारी, ईएम बीटीसी डॉ. निलुट स्वर्गियारी, ईएम बीटीसी गौतम दास, ईएम बीटीसी धनंजय बसुमतारी, विधायक गोसाईगांव जीरोन बसुमतारी, डीसी चिरांग पी. विजय भास्कर रेड्डी, एसपी चिरांग अक्षत गर्ग, एनके बरुवा, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बोंगाईगांव के कार्यकारी निदेशक और रिफाइनरी प्रमुख और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

सिलचर : विद्या भारती दक्षिण असम का प्रांत समिति पुनर्गठित

शिलचर। यदि हम भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाना चाहते हैं तो हमें देश के नागरिक जीवन में नागरिक कर्तव्यों को महत्व देना होगा। राष्ट्र के नागरिकों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देना चाहिए। नागरिक कर्तव्य की उपेक्षा करके कोई राष्ट्र कभी भी उत्कृष्टता प्राप्त नहीं कर सकता। इसलिए बेहतर राष्ट्र के निर्माण के लिए नागरिक कर्तव्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दक्षिण असम प्रांत के प्रांत प्रचारक गौरांग रॉय ने शुक्रवार को सिलचर के सुभश्री विवाह भवन में विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत की वार्षिक साधारण सभा में भाग लेते हुए यह बात कहा। उन्होंने यह भी कहा कि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अगले साल अपनी शताब्दी वर्ष पूरी करेगा, इस मौके पर संघ पंच बदलाव पर जोर दिया है। इनमें पहला है सामाजिक समरसता, यानी सभी प्रकार के मतभेदों को मिटाकर सभी को एक साथ लेकर चलना, दूसरा है कुटुंब प्रबोधन और तीसरा है पर्यावरण का संरक्षण। इसमें वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पॉलिथीन उन्मूलन पर जोर दिया गया है। चौथा, दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग और पांचवां, नागरिक कर्तव्यों को पालन करने

पर जोर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि, विद्या भारती दक्षिण असम प्रान्त की वार्षिक साधारण सभा शुक्रवार को सिलचर के सुभाश्री विवाह भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शिक्षा विकास परिषद के अध्यक्ष एवं असम विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सेवानिवृत्त डीन प्रोफेसर निखिल भूषण दे ने कीया। इस दिन दीप जलाकर बैठक की शुरुआत की गई। शुरुआत में सरस्वती बंदना के बाद अतिथियों का स्वागत उत्तरीय और चंदन से किया गया। बाद में पिछले दिनों परलोकगत विद्या भारती दक्षिण असम के विभिन्न कार्यकर्ताओं के लिए एक मिनट का मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। बाद में कार्यालय सचिव अयन चक्रवर्ती ने पिछली बैठक का निर्णय पढ़कर सुनाया। संपादक निहारेंदु धर ने संपादकीय प्रतिवेदन पाठ किया। कोषाध्यक्ष कौशिक कुमार दे ने पिछले कार्यकाल का आय व्यय और आगामी बजट पेश किया और बैठक में इसका अनुमोदन किया गया। उसके बाद, विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत समिति शिक्षा विकास परिषद के मौजूदा समिति का तीन साल का कार्यकाल पूरा होने पर, अध्यक्ष निखिल भूषण डे ने समिति को भंग कर दिया और एक नए समिति के गठन का प्रस्ताव रखा। बैठक के दूसरे चरण में काबूगंज जनता कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दक्षिण असम के प्रांत के कार्यवाह सुभाष चंद्र नाथ की देखरेख में नए समिति के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। जिसमें निवर्तमान समिति के सचिव और सिलचर एनआईटी के डिप्टी रजिस्ट्रार निहारेंदु धर को अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। प्रोफेसर निखिल भूषण दे ओर विशिष्ट उद्योगपति असित दत्त को समिति के संरक्षक के रूप में निर्वाचित किया गया। सोनाई हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व अध्यक्ष और प्रख्यात शिक्षाविद अपूर्ब कुमार नाथ, करीमगंज कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. मालबिका भट्टाचार्य और असम विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर दिंपेदु दास को उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया। नवगठित समिति में रामकृष्ण नगर कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. दीपांकर पाल को संपादक ओर मितालिनी थौसेन, कौशिक कुमार दे और विश्वजीत नाथ को सह-संपादक के रूप में निर्वाचित किया गया। बाद में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत ग्यारह शिक्षानुरागियों को सदस्य के रूप में समिति में शामिल किया गया। चंद्रकांत दास को समिति का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा, महेश भागवत को संगठन संपादक, करीमगंज सरस्वती विद्या निकेतन के प्राचार्य अंजन गोस्वामी को प्रांत निरीक्षक और बदरपुर महर्षि संदीपन विद्यापीठ के प्राचार्य पिंकू मालाकार को प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। बाद में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने तीन वर्ष के लिए निर्वाचित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने अपने भाषण में विद्या भारती के उद्देश्यों की चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर विद्यालयों को विकसित करने की भी बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि, दक्षिण असम प्रांत में विद्याभारती के काम को एक नई गति मिली है, विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पदाधिकारियों की कड़ी मेहनत से इस प्रांत में संगठन का काम तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि आने वाले दिनों में सभी नये एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के समग्र प्रयासों से इस क्षेत्र में विद्या भारती का काम बढ़ेगा। बैठक के अंत में काटलीछरा एस के रॉय कॉलेज के प्रोफेसर एवं शिक्षा विकास परिषद के पूर्व सह सचिव डॉ. देवजीत दे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बाद में राष्ट्रगान वंदेमातरम के साथ बैठक का समापन हुआ। बैठक में काछार, करीमगंज, हैलाकांदी और दिमाहासाओ जिलों के साथ-साथ लमडिंग के विद्या भारती के प्रबंधित स्कूलों के अध्यक्ष, सचिव और प्रधानाआचार्यों, विषय प्रमुखो ने भाग लिया।

भारी मात्रा में की अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रनीगुली के बाह्य सीमा चौकी टुकडाबस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-166/4 से लगभग 11 किलोमीटर भारत की ओर सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती व वन विभाग देवश्री की संयुक्त टीम के द्वारा नाकेदारा-दो फॉरेस्ट एरिया में नाका के दौरान अवैध रूप से कटे हुए इमारती लकड़ियोंको पिकअप वाहन (न0-एएस-26-एल-0753) पर लाद कर ले जा रहे वन माफियों को देख कर सशस्त्र सीमा बल व फॉरेस्ट की टीम ने उनका पीछा किया, अपनी ओर आ रहे एस0एस0बी की टीम को देखते ही वन माफियों ने वाहन और उसमें लदी लगभग *310 सीएफटी* इमारती लकड़ियोंको जगंल मे छोड़कर भाग गए। तदोपरांत कटी हुई इमारती लकड़ी व वाहन को जब्त किया गया। इसके अतिरिक्त सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती पिलर संख्या-166/2 से लगभग 9.5 किलोमीटर भारत की ओर सीमा चौकी टुकड़ाबस्ती, सोनापुर व वन विभाग देवश्री की संयुक्त टीम के द्वारा कुशुमदिशा फॉरेस्ट एरिया में गश्ती के दौरान अवैध रूप से कटे हुए इमारती लकड़ियों को टाटा अल्ट्रा टीसी ट्रक (नं.-एएस-01 एल-1416) पर लाद कर ले जा रहे लगभग 540 सीएफटी इमारती लकड़ियों व वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ी व वाहन को वन विभाग कार्यालय देवश्री को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

नकली नोटों के साथ एक गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। जिले के न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन से राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने भारतीय नकली नोटों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जीआरपी ने उसके पास से 1 लाख 78 हजार 500 रुपए के नकली नोट जब्त किए हैं। जीआरपी सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि बुधवार रात न्यू बंगाईगांव जंक्शन पर जीआरपी की टीम स्टेशन पर तैनात थी। तभी उन्होंने संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 लाख 78 हजार 500 रुपए के नकली नोट बरामद हुए।

होजाई में धूमधाम के साथ मना शिक्षक दिवस

होजाई (निसं)। होजाई के गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिछवि पर पुष्पांजूलि व दीप प्रज्वलित किया गया। इस दिवस पर प्रधानाध्याप आलोक कुमार गुप्त ा ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला एवं बच्चों को गुरु-शिष्य परंपरा के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसमें विद्यालय के छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी अंश ग्रहण कर समा बांध दिया। गौरतलब है बच्चों ने शिक्षकों को प्रणाम कर उपहार भेंट किया और शिक्षक जनों ने भी उन्हें सप्रेम स्वीकार कर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। सभी बच्चों ने यह भी कहा कि हम आप शिक्षकों के बताए हुए मार्ग का अनुसरण करेंगे और समाज हित के कार्यों में अपनी सहभागिता निभाएंगे। दूसरी और शहर के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालय व रविंद्रनाथ

टैगोर विश्वविद्यालय में भी शिक्षक दिवस का आयोजन धूमधाम के साथ हुआ।

No.KDB-448/SOPD/2023-24/9725 *Dated Gurufela the 2nd Sept., 2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees Eight and twenty five rupees) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractor Class-I (A, B, C) & Class-II Categories Assam P&RD and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under **SOPD-G** fund for the year 2024-25 as stated below. The tender will be received by the undersigned upto 2.00 PM of **25/09/2024** and will be opened on the next day at 3.PM.

Sl. No	Name of Work	Location	A.A.Amount (Rs. in lakh)	Cost of bid documents	Amount of bid security	Time for completion
1	Const. of Community hall at Borobadha Bazar	Borobadha	Rs.17.00 L	0.03%	SC.ST=1%, OTH=2%	6 months

Details N.I.T may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned tender will be issued to the contractors of their authorized agent from **05/09/2024** to **25/09/2024** in the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/banker's cheque from any Nationalized bank, duly pledged in favour of the BDO, Kachugaon Dev. Block, Gurufela.

Sd/-
Block Development Officer,
Kachugaon Dev. Block, Gurufela

IPR(BTC)/C/2024-25/459

संपादकीय

दिखावे का आपराधिक बिल

पश्चिम बंगाल विधानसभा में 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक' (आपराधिक कानून एवं संशोधन) सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप-मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी प्रयास है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीडऩ की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं। वैसे राज्यों को अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है। बंगाल विधानसभा में जो बिल पारित किया गया है, उसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो) में संशोधन की बात कही गई है। ये कानून संसद द्वारा पारित किए गए हैं। केंद्रीय कानूनों की धाराओं के तहत बलात्कार, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के लिए 20 साल की सजा, उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है, जबकि 'अपराजिता बिल' में सिर्फ फांसी के प्रावधान का ही प्रस्ताव है। बीएनएस के तहत बाल अपराधियों के लिए रियायतों का प्रावधान है, लेकिन 'अपराजिता' में उन्हें खत्म करने का प्रस्ताव है। गौरतलब है कि जांच, न्याय और सजा के लिए जो अवधि तय की गई है, वह अव्यावहारिक है, क्योंकि भारत में न्याय की परतें कई हैं। यदि फास्ट ट्रैक कोर्ट आरोपित को फांसी की सजा सुना भी देती है, तो उस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। उच्च न्यायालय के बाद सर्वोच्च अदालत है। अंततः राष्ट्रपति को दया-याचिका दी जा सकती है। मात्र 10 दिन में इन सभी आयामों से न्याय पाना असंभव है, लिहाजा 10 दिन में फांसी की सजा महज नारेबाजी है। जनता को भ्रमित करने की राजनीति है, ताकि कोलकाता की सडक़ें तमाम तरह की सियासत से मुक्त हो सकें। 2012 के 'निर्भया कांड' का अंतिम फैसला 8 लंबे सालों के बाद मिला था। नतीजतन उसके बाद ही बलात्कारियों को फांसी पर लटकाया जा सका। उसके बाद किसी भी बलात्कारी को मृत्युदंड नहीं दिया जा सका। यह हमारे कानून के छिद्र हैं, हालांकि 'निर्भया कांड' के बाद जस्टिस जेएस वर्मा आयोग बनाया गया था। इस आयोग ने व्यापक विमर्श के बाद, बहुत ही कम समय में, अपनी रपट दी थी। उसके आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें भी दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। हमारे देश और समाज में बलात्कार के औसतन 86 केस हर रोज दर्ज कराए जाते हैं, कितनों को फांसी की सजा दी जाती है? बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस विपक्षी खेमे की एक महत्वपूर्ण पार्टी है। इससे पहले आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र ने भी 'मौत की सजा' को अनिवार्य करने वाले बिल पारित किए थे, लेकिन केंद्र से मंजूरी नहीं दी गई। यही नियति अब बंगाल की हो सकती है। ममता बनर्जी ने बिल की आड़ में भी खुन्नस भरी राजनीति की है। उन्होंने सदन में ही प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उन मुख्यमंत्रियों के भी इस्तीफे मांग लिए, जिनके राज्यों में बलात्कार की संख्या लगभग निरंतर है। चूंकि प्रधानमंत्री पूरे देश के संवैधानिक प्रभारी हैं, लिहाजा वह इस्तीफा दें, क्योंकि वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं। क्या राजनीतिक मजाक है यह ! दरअसल बलात्कार को 'राजनीतिक हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देश की बदनसीबी है।

कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप-मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी प्रयास है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीडऩ की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं। वैसे राज्यों को अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है।

धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है

समाज के नायक शिक्षकों का सम्मान

अनुज आचार्य

जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं।

गाइ कावासाकी के अनुसार, 'अगर आपको किसी को ऊंचे स्थान पर रखना है, तो शिक्षकों को रखें। वे समाज के नायक हैं।' जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं। चरित्र रक्षण को लेकर संस्कृत साहित्य में कहा भी गया है कि, 'वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमेति च याति च। अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः॥' अर्थात चरित्र की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। धन तो आता-जाता रहता है। धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है। लेकिन हम साल दर साल कई शिक्षकों के अमर्यादित आचरण से कलंकित होते शिक्षक समाज की व्यथा से पार नहीं पा रहे हैं। आजकल हमारे अध्यापकों के समक्ष वर्तमान भौतिकतावादी जीवन के दृष्टिगत अपने शिक्षार्थियों में न केवल भारतीय संस्कृति के अनुरूप उच्चकोटि के संस्कारों का परिमार्जन करने की चुनौती है, अपितु उन्हें आगामी जीवनपथ पर आने वाली कठिनाईयों-संघर्षों से लडऩे का जीवट कैसे पैदा हो, यह सामथ्र्य व साहस भरने का दृष्टिकोण विकसित करने की गुरुतर जिम्मेदारी भी है। अध्यापकों को शिक्षण कार्य के इतर कई प्रकार की गतिविधियों को संचालित करना होता है ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण चहुंमुखी विकास हो, लेकिन इधर बीते वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को ही बेतरतीब भारी भरकम पाठ्यक्रम, शैक्षणिक कार्य के अलावा अन्य कार्यों का संपादन एवं विभिन्न दिवसों के आयोजन के घालमेल वाला बना दिया गया है। आज नन्हें बच्चों का बस्ता भारी है, प्राइमरी शिक्षा प्रणाली वाले स्कूलों में अध्यापकों

का अभाव है और बच्चों के लिए भम्रण कार्यक्रमों आदि की व्यवस्था न होना भी उनके सर्वांगीण विकास को प्रभावित कर रहा है। स्कूलों में खेल, वाद विवाद, भाषण, संगीत आदि प्रतियोगिताओं का महज खानापूर्ति के लिए आयोजन होने से हम आज भी वास्तविक शैक्षिक लक्ष्यों से कोसों दूर हैं। लेकिन हमें तमाम अवरोधों बाधाओं के बावजूद आगे बढऩा होगा। विनम्रता, धैर्य और दृढ़ता ये सभी गुण एक प्रेरक शिक्षक की पहचान हैं। शिक्षकों में बालकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से सामना करने के लिए और उनका मार्गदर्शन करने का महनीय सामथ्र्य होना चाहिए। तभी वे समाज में सार्थक बदलाव ला सकते हैं और अपने शिष्यों के महान रोल मॉडल भी बन सकते हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश की शैक्षिक प्रगति का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर अब आजादी के समय के 8 प्रतिशत से बढक़र 88 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसमें पुरुष साक्षरता दर 89.53 प्रतिशत है जबकि महिला साक्षरता दर 75.93 प्रतिशत है। वर्तमान समय में प्रदेश में लगभग 15 लाख छात्र शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत छात्र सरकारी संस्थानों में हैं एवं राज्य सरकार नामांकन प्रतिशत को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना शुरू की है, जिसके तहत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हिमाचल सरकार सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल भी बना रही है जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विद्या केंद्र का शुभारंभ किया है। केंद्र सरकार के समग्र शिक्षा विकास कार्यक्रम के तहत समीक्षा केंद्र खोलने वाला हिमाचल देश का तीसरा राज्य बन गया है। विद्या समीक्षा केंद्र डेटाबेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगा। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 200 शिक्षकों को एक्सपोजर विजिट के लिए सिंगापुर भेजा गया था और अब सरकार ने विद्यार्थियों को भी एक्सपोजर विजिट पर विदेश भेजने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना शुरू की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विधवा, बेसहारा, तलाकशुदा महिलाओं और दिव्यांग माता-पिता को उनके बच्चों की शिक्षा और कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद करके सरकार ने सकारात्मक बदलाव की दिशा में साहसिक कदम बढ़ाए हैं। प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस हमें एक मौका उपलब्ध करवाता है जब हम कह सकते हैं कि शिक्षक का हमारे जीवन में अमूल्य योगदान है। शिक्षकों के बिना यह मनुष्य जीवन सार्थक नहीं है। हर किसी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल करना चाहिए। हमारी बाल्यावस्था से लेकर महाविद्यालयीन शिक्षा के दरमियान अनेकों शिक्षक हमारा मार्गदर्शन करते हैं और विभिन्न तौर तरीकों, उपायों और तकनीकों से हमें भावी जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी शिक्षक को मिलकर यह कहता है कि आदरणीय गुरुवर आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचाने में आपका भी योगदान है, तो समझिए उस शिक्षक के लिए इससे बड़ी प्रशंसा और क्या हो सकती है। आज शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं दैनिक 'दिव्य हिमाचल' के सुधी पाठकों को हार्दिक बधाईयां।

दृश्टि कोण

माननीय न्यायालय रोकिए इन्हें, ये देश में आपस में लड़ा देंगे !

ये विषय देश की आंतरिक सुरक्षा, सद्भाव और परस्पर समरसता से जुड़ा है। अभी लगातार दो तरह की घटनाएं घटती दिख रही हैं, एक तरफ राहुल गांधी स्वयं से नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं तो दूसरी ओर जेएनयू जैसे शिक्षा संस्थान और स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जिन्हें टूलकिट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उद्देश्य दोनों का समान है, भारत में अराजकता का माहौल पैदा करना। वर्तमान केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास की भावना आम जन में भर देना ताकि किसी भी तरह से देश में दंगे-फसाद कराए जा सकें और फिर किसी तरह से वर्तमान नेतृत्व को सत्ता से बाहर कर सत्ता हथियाई जा सके। वैसे देश की एकता, अखण्डता एवं समरसता के लिए पहले भी न्यायालय कई विषयों पर आगे से स्वतः संज्ञान लेकर हस्तक्षेप करता रहा है। इस मुद्दे पर भी माननीय न्यायालय से आग्रह है कि वह आगे आए । देश में घटनाएं कैसे घट रही हैं, आप देखिए; पहले, राहुल गांधी का एक वीडियो सामने आता है, इसे उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में संविधान सम्मान सम्मेलन का बताया जा रहा है। इस सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी मिस इंडिया कॉन्टेस्ट को लेकर यह दावा करते नजर आ रहे हैं कि देश में नब्बे प्रतिशत लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं, कह रहे हैं, मैं तो मिस इंडिया की लिस्ट देख रहा था, उसमें कोई दलित-ओबीसी-आदिवासी, अल्पसंख्यक ही नहीं है। उनके पास हर तरह की प्रतिभा मौजूद है, लेकिन फिर भी वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं। यही कारण है कि हम जाति जनगणना की माँग कर रहे हैं। उनका ये बयान सामने आने के बाद मीडिया ने भी इसे तेजी के साथ आगे बढ़ाया। स्वभाविक है, जो आंकड़ों में नहीं जाते, अध्ययन करने पर कम, अपने नेता या वरिष्ठ के कहे पर विश्वास अधिक करते हैं । जो साक्षर हैं किंतु शिक्षित नहीं, वस्तुतः देश में ऐसे करोड़ों लोग हैं। अब ऐसे में राहुल गांधी का दिया ये बयान उन्हें सही नजर आ सकता है ! स्वभाविक तौर पर उनके मन में आक्रोश भी पनप सकता है कि बताओ, स्वाधीनता के 77 वर्ष बाद भी देश में अनुसूचित जाति-जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार क्यों नहीं दिया गया है, बलकि अभी पर कुछ चुनिंदा अपने में तथाकथित बड़ी जातियों ने कब्जा करके रखा है ! किंतु क्या राहुल गांधी यहां जो कह रहे हैं वह सच है ? माननीय न्यायालय आप जानते हैं कि राहुल गांधी यहां जूठ बोल रहे हैं। देश में सिर्फ मिस इंडिया ही नहीं अनेक प्रमुख प्रतिष्ठति स्थानों पर अजा, जनजा, अल्पसंख्यक लोग विराजमान रहे हैं और वर्तमान में भी हैं। इस संदर्भ में अनेक तथ्य मौजूद हैं, जैसेकि भारतीय जनता पार्टी नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा ने स्वाधीनता के बाद से अब तक उन महिलाओं की सूची साझा की है, जिन्होंने 'मिस इंडिया' का क्राउन पहना है। इस लिस्ट को जारी करते हुए तजिंदर बग्गा ने एक्स पर लिखा भी कि इस देश में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट 1947 में शुरू हुई, उसमें अल्पसंख्यक समाज की कई बहनें विजेता बनी। उन्होंने जो लिस्ट साझा करते हुए एस्टर विक्टोरिया अब्राहम, इंद्रानी रहमान, फेरिअल करीम से लेकर नायरा मिर्जा, अंजुम मुमताज, फरजारा हबीब, सोनू वालिया, गुल पनाग, साराह जेन डायस, नवनीत कौर ढिल्लन तक के नामों का उल्लेख किया है। वस्तुतः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इतना कहने के बाद भी चुप नहीं रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर बड़े आरोप लगा दिए । इसी संविधान सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम में बोलते दिखे कि संविधान की रक्षा, दलित, आदिवासी, ओबीसी करते हैं। यहां प्रश्न यह है कि क्या अन्य जन जो इस सूची से बाहर हैं, वह संविधान की रक्षा नहीं करते? फिर उनका यहां यह कहना कि देश के उद्योगपति में कोई दलित आदिवासी नहीं, मोची, धोबी और बढ़ई के हाथों में जबरदस्त स्किल है, पर देश में हुनर की इज्जत नहीं ह, कितना सही है? आगे वे कहते दिखे, स्किल डेवेलमेंट की शुरुआत यूपीए ने की थी किंतु 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं। पीएम मोदी राजा-महाराजा वाला मॉडल चाहते हैं। अब माननीय न्यायालय आप देखिए, यह संविधान बचाने के नाम पर देश को किस-किस तरह से आपस में यहां के जनसमुदायों को जाति के आधार पर भिड़ाने की कोशिश की जा रहे हैं ! जबकि हकीकत यही है कि देश में अनेक उद्योगपति हैं, जोकि अजा, जनजा, पिछड़ावर्ग से आते हैं और वे अपने व्यवसाय में पूरी तरह से सफल हैं । यहां भी राहुल का इस संबंध में किया दावा गलत ठहरता है। इस वक्त राहुल गांधी जिस तरह से आबादी के हिसाब से नीतियां बनाने की बात कह रहे हैं, हम सभी जानते हैं कि वह साम्यवाद का वामपंथी मॉडल है, जो कहता है कि सभी को उनकी जनसंख्या के हिसाब से लाभ मिले। दरअसल, सुनने में यह बहुत अच्छा लगता है। किंतु इस मॉडल के अनेक खतरे हैं। पूरी दुनिया इस मॉडल को रिजेक्ट कर चुकी है, यहां तक कि जहां से वामपंथ शुरू हुआ था, वह देश वियतनाम, चीन, जर्मनी, रूस या अन्य कोई देश क्यों न हो। सभी का अनुभव इस मामले में एक जैसा ही है कि यह नीति अपने देश की बहुजनसंख्या को निकम्मा बना देने का काम करती है। अब इस सिद्धांत से चलेंगे तो जो काम करेगा उसे भी उतना ही भाग मिलेगा जितना कि बगैर काम करनेवाले को ।

कुछ अलग

मुखौटों से भरी दुनिया

बदलते हुए समाज विज्ञान की शोध में नए आंगन खुलते रहते हैं। नई शोध का विषय पिछले दिनों एक यह भी रहा है कि कार्टून बनाने वाले क्यों यह सच बांचते नजर आते हैं, जब वे देश के महाभ्रष्ट लोगों और सब कुछ समेट कर अपनी जेब में डाल लेने वाले लोगों को भारी-भरकम और तोंदियल बताते हैं तो जंचता है। मुफ्त लंगर और राशन बांटने वाले की कतारों में जो लोग अंतहीन नुक्कड़ तक खड़े नजर आते हैं, वे तो लगता है, अभी गिरे कि गिरे क्योंकि सब सींकिया बदन और फटेहाल हैं। होने भी चाहिएं। आजकल बेकारी, बीमारी और निकम्मेपन के दिनों में भिक्षा पात्र लेकर भिक्षा देहि के नारों के साथ द्वार-द्वार भटकना एक ऐसा आमफहम सत्य हो जाता है कि लगता है कि अगर इसे देश का नया घरेलू उद्योग घोषित कर दिया जाए, तो अतिकथन न होगा। सरकारी स्तर पर आम जनता के इन कठिन दिनों में मुफ्तखोरी को दया धर्म कह कर दुरुह समस्याओं का एक सरल समाधान मान लिया गया है। समस्या तो एक भी हल होती नजर नहीं आई, बल्कि बेकारी माशा अल्लाह नए कुलांचे भर रही है। अब तो बेकारों की कतार इतनी लंबी होती नजर आ रही है कि विद्वान बताते हैं कि पिछले पैंतालीस बरस में इतनी महंगाई नहीं देखी। बात न कीजिए बढ़ती महंगाई की। वर्तमान सुशासन युग शुरू हुआ था तो घोषणा की गई थी कि न रहेगा बांस और न बजेगी बांसुरी अर्थात न रहेगी महंगाई और न करेगा कोई चोर बाजारी, लेकिन ये कैसे दिन आए बन्धु, चोर बाजारी तो इस देश के लोगों की स्वाभाविक वृत्ति बन गई है। अब देखो न नई नई महामारियों का संक्रमण भय मौत का डंडा सिर पर बजा रहा है और चार लोग दवाओं की बात छोड़ो, उनके माकूल होने की अफवाहों पर भी चोर बाजारी कर रहे हैं। बढ़ती हुई कीमतों की भली पूछिए। सरकार कहती है कि इन दिनों में आर्थिक गतिविधियां बहुत तेज हैं। सरकारी खजाना भरा हुआ है। लेकिन फिर भी कर्मचारियों का वेतन लेटलतीफ हो रहा है, लेकिन जरूरी चीजों की कीमतें आतिशबाजी होकर आकाश की ओर उड़ रही हैं। ऐसी ऐसी बातें होती हैं कि असल सच किसी के पल्ले नहीं पड़ता। अब भला पूछिये मेहरबानों से कि दुनिया भर में पैट्रोलियम उत्पादों की कीमतें गिरकर धरती चूम रही हैं और अपने देश में पैट्रोल और डीजल की कीमतों का कनकौआ आसमान की ओर क्यों उड़ाया जा रहा है? पहले कहा, सरकारी खजाना भरना है, इसलिए कीमत स्तर को काठ मार जाने दो, इसे गिरने नहीं देना है। देखते ही देखते बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें कुलांचें भरने लगीं और आम आदमी उदास होकर सोचता है कि भैय्या यह कैसी तरक्की है? 'यह तो जाते थे जापान पहुंच गए चीन, समझ गए न।' अब गाने में तो कहा गया है, 'मन्नू तेरा हुआ अब मेरा क्या होगा?' अब आम आदमी क्या अपने अच्छे दिनों की इसी तरह उम्मीद करें? जी नहीं, उससे पहले राज्य सरकारों को भी तो अपनी गरीबी दूर करनी है। उन्हें भी तो अपना वैट बढ़ा कर अपनी स्थानीय आर्थिक दुर्दशा की मरहम पट्टी करनी है। हां, चुनावी मजबूरी आ गई तो उन्हीं स्थानीय करों को घटाकर वाहवाही लूटी जा सकती है। बंधु, यह काम थोड़ा छिप-छिप कर भी करना पड़ता है। अब देखो न पहले गैस का ईंधन सिलेंडर दो दामों पर मिलता था। एक थोड़ा सस्ता अनुदान सहायता प्राप्त और दूसरा सामान्य बिना सहायता के। अब पैट्रोलियम उत्पादों की घटती कीमतों का यह प्रभाव हुआ कि मिर्जा नौशा भी कह उठे, 'बर्फ गिरती है तो बेचारे मुसलमीनों पर', अर्थात सामान्य सिलेंडर की कीमत ही कम होकर कटौती वाले सिलेंडर के बराबर हो गई। अब चाहे अनुदान प्राप्त सिलेंडर खरीद कर मुसलमीन कहलाओ। जब कटौती है ही नहीं तो पैसा तुम्हारे खाते में जाएगा कैसे? इसलिए हे दुनिया के कार्टूनिस्टो, तनिक सावधान ! पहले भ्रष्ट की पहचान करनी हो तो तोंदियल और मोटा बनाते थे और मरभुक्खे को सींकिया बदन दुबला पतला दिखाते थे।

देश दुनीया से

माटी चुन-चुन महल बनाया

जीवन में रहते हुए यह शरीर सुख-दुख भोगता है, बीमारी आदि भोगता है। अगर मोटी-मोटी बात करें तो हमारा एक और शरीर भी है जो सूक्ष्म शरीर है। सूक्ष्म शरीर एक प्रकाश पुंज मात्र है। हमारा यह सूक्ष्म शरीर बहुत शक्तिशाली है। यह भी सुख-दुख भोगता है। मृत्यु के पश्चात यदि हमें मोक्ष न मिले तो हमारा सूक्ष्म शरीर धरती की दुनिया से ऊपर की दुनिया में चला जाता है और समय आने पर फिर से जन्म लेकर संचित कर्मों के फल भोगता है तथा नए कर्म करता है। अगला जन्म लेने से पूर्व यही शरीर स्वर्ग-नर्क भी भोगता है। आत्मा इन दोनों शरीरों से परे है। यह सुख-दुख से परे है और परमात्मा का शुद्ध अंश है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में इसी के बारे में बताया है कि यह अजर-अमर है।

हम सब एक शरीर के साथ जन्म लेते हैं। यह शरीर जो हमें दिखता है, यह एक स्थूल शरीर है और इसकी अपनी सीमाएं हैं। जीवन में रहते हुए यह शरीर सुख-दुख भोगता है, बीमारी आदि भोगता है। अगर मोटी-मोटी बात करें तो हमारा एक और शरीर भी है जो सूक्ष्म शरीर है। सूक्ष्म शरीर एक प्रकाश पुंज मात्र है। हमारा यह सूक्ष्म शरीर बहुत शक्तिशाली है। यह भी सुख-दुख भोगता है। मृत्यु के पश्चात यदि हमें मोक्ष न मिले तो हमारा सूक्ष्म शरीर धरती की दुनिया से ऊपर की दुनिया में चला जाता है और समय आने पर फिर से जन्म लेकर संचित कर्मों के फल भोगता है तथा नए कर्म करता है। अगला जन्म लेने से पूर्व यही शरीर स्वर्ग-नर्क भी भोगता है। आत्मा इन दोनों शरीरों से परे है। यह सुख-दुख से परे है और परमात्मा का शुद्ध अंश है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में इसी के बारे में बताया है कि यह अजर-अमर है। इस पर हवा, पानी, आग और हथियारों आदि का कोई असर नहीं होता। निर्वाण की स्थिति में आत्मा ही परमात्मा में विलीन होती है जिससे हमें जीवन-मरण के चक्र से छुटकारा मिल जाता है। ऋषियों, मुनियों, मनीषियों ने इस संसार को मिथ्या और जीवन को सपना इसलिए कहा क्योंकि हमारा यह शरीर नश्वर है और जीवन के बाद कभी न कभी मृत्यु का होना भी निश्चित है। मृत्यु के बाद यह शरीर नहीं रहता। जब हम जरा गहराई में जाते हैं तो यह समझ आता है कि यह जीवन वास्तव में एक स्कूल है जहां हम इसलिए आते हैं ताकि निर्वाण की प्राप्ति के लिए हम अभी तक जो नहीं सीख पाए हैं, वह सीख लें और जीवन-मरण के चक्र से मुक्त होकर सर्वेश्वर परमपिता परमात्मा से जा मिलें। जब हम दोबारा जन्म लेते हैं तो हम अपने संचित कर्मों का फल तो भोगते ही हैं, पर साथ ही हम नए कर्म भी करते हैं। ये नए कर्म ही अगर ऐसे हों जो हमें परमात्मा के और करीब ला सकते हों, तो हम निर्वाण की ओर बढ़ते चलते हैं। शरीर नश्वर है और जीवन के साथ मृत्यु अवश्यंभावी है, तो हमारे कर्मों के अलावा यहां प्राप्त की गई अथवा जोड़ी गई शेष हर चीज यहीं रह जाएगी। हमें कोई संपत्ति विरासत में मिले या हम स्वयं अर्जित करें, वो अंततः यहीं रह जाएगी। अक्सर तो ऐसा भी होता है कि किसी ने बहुत मेहनत करके, कंजूसी करके, बचत कर-कर के कुछ बनाया, लेकिन अपने जीवन में उसे कभी भोग नहीं पाया और चाहे अपनी संतानों के लिए अथवा दुनिया के लिए छोडक़र स्वर्गवासी हो गया। इसीलिए संत कबीर दास जी ने कहा कि माटी चुन-चुन महल बनाया, लोग कहें घर मेरा, ना घर तेरा, ना घर मेरा, चिडिय़ा रैन बसेरा, कौड़ी-कौड़ी माया जोड़ी, जोड़ भरेला थैला, कहत कबीर सुनो भाई साधो, संग चले ना धेला, उड़ जाएगा हंस अकेला, जग दो दिन का मेला। हम सब अक्सर समय की कमी का रोना रोते हैं। अक्सर हम कहते हैं कि अगर हमारे पास समय होता तो हम फलां-फलां काम कर लेते, पर असली सच यह है कि समय ही एक ऐसी वस्तु है जिसका हम सबसे ज्यादा दुरुपयोग करते हैं, समय ही ऐसी वस्तु है जिसे हम सबसे ज्यादा बेकार में गंवाते हैं, समय ही एक ऐसा उपहार है कि हम जिसकी कीमत नहीं समझते और इसे व्यर्थ के कामों में, उलझनों में, लड़ाई-झगड़ों में, किसी की आलोचना में, किसी की निंदा में, षड्यंत्रों में और गपशप में गंवा देते हैं। तभी तो हमारे ऋषियों, मुनियों, संतों और मनीषियों ने कहा है कि हीरा जनम अमोल सा, कौड़ी बदले जाए, जबकि इसी समय का सदुपयोग करके हम निर्वाण की ओर कदम बढ़ा सकते थे और सर्वशक्तिमान त्रिलोकीनाथ सवेश्वर परमात्मा से मिल पाने का जुगाड़ कर सकते थे। सवाल उठता है कि हम परमात्मा से मिलन के लिए क्या कर सकते हैं, और कैसे कर सकते हैं। हर धर्म परमात्मा के मिल पाने के रास्ते बताता है। 'सहज संन्यास मिशन' ने इसे 'न भागो, न त्यागो, सिर्फ जागो' का मंत्र देकर बहुत आसान बना दिया है। इस मंत्र का खुलासा करें तो हमें समझ में आता है कि परमात्मा की प्राप्ति के लिए हमें संसार से भागने की आवश्यकता नहीं है, संसार को त्यागने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सिर्फ जागरूक होकर आत्म-मंथन करके अपनी सोच और अपने जीवनयापन के ढंग में कुछ छोटे-छोटे और आसान बदलाव करके आध्यात्मिकता की ओर बढ़ते रहना है। इसी दुनिया में रहकर, समाज में रहकर, परिवार में रहकर, अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए, हमें सिर्फ इतना करना है कि हम किसी भी तरह की कोई हिंसा न करें। यहां हमें यह समझना होगा कि 'हिंसा' की अवधारणा बहुत व्यापक है। जीव की हत्या तो हिंसा है ही, पर उसके अलावा जब हम किसी की निंदा करें, चुगली करें, शिकायत करें, दोषारोपण करें, अपमान करें, क्रोध करें तो यह भी हिंसा है। किसी का दिल दुखाना हिंसा है, पर सिर्फ किसी का दिल दुखाना ही हिंसा नहीं है, अपना दिल दुखाना भी हिंसा है। जब हम अपमानित महसूस करते हैं, अपनी किसी गलती पर पछताते हैं, किसी पर गुस्सा करते हैं, तो हम दुखी हो जाते हैं। यह समझना आवश्यक है कि क्रोध इसलिए आता है क्योंकि हम दुखी हुए।

आप का नजरीया

फर्ज की तौहीन

करमुक्त मानसिकता के आलोक में दौड़ती हिमाचल की गाड़ी अचानक पहियों से बाहर निकल गई और यकीन न हो तो नब्बे हजार करोड़ के कर्ज में डूबे 'विचित्र आशावाद' के गड्ढे देख लेना। आश्चर्य यह कि हमारा नागरिक समाज केवल सरकार की अभिलाषा में जीता है। निजी शान के लिए प्रगति, इम्तिहान के लिए सरकारें। क्या आप गिन सकते हैं कि पिछले एक दशक में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति वाहन, जेसीबी मशीनें, सीमेंट-सरिया, ब्रांडेड कपड़े और खानपान के लिए फूड चेन का चयन हमने किया। हम अगर पिछड़े हैं तो प्रदेश को वांछित कर चुकाने में ही देश भर में पीछे हैं। हम शहरी मानसिकता से ओतप्रोत गांव में हल नहीं, भवन उगाते हैं। पूरे प्रदेश की सडक़ों पर वाहन पार्क करके या किनारों पर व्यापारिक भवन बनाकर अपने फर्ज की इतिश्री कर देते हैं। यकीन न हो तो बल्ह घाटी या कुल्लू से भुंतर के बीच इमारतों के जमघट में उखड़ी फसलों की जड़ों में जमे सीमेंट को देख लें। देख लें कि हर सडक़ पर बाजार दौड़ रहा। यही बाजार पपरोला से बैजनाथ के बीच दौलत की नुमाइश-पैमाइश बन जाता है, लेकिन व्यवस्थित होने को कहर मानकर और टीसीपी के दायरे में आने भर की सूचना से कोहराम मच जाता है। पालमपुर-धर्मशाला को नगर निगम की वकालत में नागरिक सुविधाओं का अंबार चाहिए, लेकिन टीसीपी की जरूरत में शहरीकरण का यह पैगाम मंजूर नहीं। शहरी नियोजन यह समझाने में असफल रहा कि शहरीकरण की उम्मीदों में जीने की कुछ लागत व योजना के दायरे में भविष्य की शर्तें नत्थी हैं। आश्चर्य यह कि आधी सदी से आया ग्राम एवं नगर योजना कानून अपने पक्ष में इतना सा तर्क भी पैदा नहीं कर सका कि जनता आज स्वयं आगे बढक़र इसे अंगीकार करती। विडंबना भी यही है कि नेताओं ने प्रदेश की मिट्टी को इतना नर्म कर दिया कि आर्थिक विषमताओं से बचने के लिए बाड़बंदी तक नहीं हो सकी। प्रदेश में 24 लाख पंजीकृत वाहनों की तादाद बताती है कि शायद ही किसी घर में अब गरीबी बची होगी, लेकिन हमारे नियमों का सौदा सडक़ पर होने लगा। क्यों नहीं यह प्रदेश जीने के आदर्श और राज्य के प्रति नागरिक फर्ज की आचार संहिता बना पाता। कम से कम शहरों में इमारतों के नक्शे में पार्किंग की शर्त इस तरह लागू हो कि वाहन का पंजीकरण तब ही प्रमाणित होगा जब मालिक के पास माकूल जगह हो। दूसरी ओर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग फीस लेकर ऐसा फंड बनाया जाए तो वाहनों की संख्या के अनुरूप हर शहर से कस्बे तक पार्किंग व्यवस्था को मुकम्मल बनाया जा सकता है। अगर कर्मचारियों की ओपीएस बहाल हुई, तो वित्तीय प्रबंधन में इन्हीं के बीच राज्य के बांड जारी करके, एक आंतरिक वित्तीय व्यवस्था की मद में अगर उत्पादक निवेश को तरजीह दी होती, तो प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी हिमाचली समाज अपनी बचत को सरकार की गारंटी व विश्वसनीयता के आधार पर, एक निश्चित लाभ की अपेक्षा में लगा देता।

भाजपा में फूटे विद्रोह के स्वर

कैबिनेट मंत्री रणजीत सिंह ने छोड़ी पार्टी

हरियाणा भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का इस्तीफ

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के बाद से विद्रोह के स्वर फूटने लगे है। भाजपा ने अपने नौ विधायकों की टिकट काट दिए हैं। मौजूदा विधायक व पूर्व मंत्री समेत प्रदेशभर से कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया। टिकट कटने से नाराज राज्य के कैबिनेट मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार की रात 67 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की है। जिसमें नौ मौजूदा विधायकों की टिकट काट दी गई है। सूची जारी होने के बाद सबसे पहले हरियाणा भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कर्णदेव कंबोज ने भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दिया। कर्णदेव कंबोज इंद्री विधानसभा से टिकट कटने से नाराज हैं। भाजपा ने यहां से रामकुमार कश्यप को टिकट दी है। जिसके विरोध में कर्णदेव कंबोज ने पार्टी पर अनदेखी का आरोप लगाकर सभी पदों से इस्तीफा दिया। इस बीच हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने भी गुरुवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। भाजपा ने उनकी टिकट काट दी है। रणजीत चौटाला पहले मनोहर सरकार में मंत्री रहे और अब विधायक न होते हुए भी नायब सरकार में मंत्री के पद पर कार्यरत थे। इस बीच डबवाली से टिकट मांग रहे चौटाला परिवार के सदस्य आदित्य देवीलाल चौटाला ने भी आज हरियाणा स्टेट एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया। पहली सूची में डबलवाली का नाम शामिल नहीं है। रतिया से विधायक लक्ष्मण नापा ने भी टिकट कटने से नाराज होकर इस्तीफा दे दिया। भाजपा ने यहां से पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को चुनाव मैदान में उतारा है। इससे नाराज विधायक नापा ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। सोनीपत में भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पार्षद इंदु वलेचा के पति पूर्व पार्षद संजीव वलेचा ने भी भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। सोनीपत में भाजपा युवा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी अमित जैन ने भी पार्टी छोड़ दी है।

राजनैतिक दल हमारी मांगों को घोषणा पत्र में करें शामिल : सर्व कर्मचारी संघ

यमुनानगर (हिंस)। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर हरियाणा प्रदेश की राजनीतिक पार्टियों से कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं को लेकर जिला प्रधान महिपाल सौदे की अध्यक्षता में राज्य कमेटी के प्रतिनिधि मंडल ने बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष धर्मपाल तिगरा को गांव तिगरा में उनके निवास स्थान पर मुलाकात कर उन्हें कर्मचारियों की 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और उनकी पार्टी की राय पूछी। गुरुवार को यह जानकारी देते हुए राज्य महासचिव नरेश कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार प्रदेश में कार्यरत नियमित व अनियमित कर्मचारियों की मुख्य मांगे है कि कच्चे कर्मचारियों को 2 वर्ष के अनुभव के आधार पर पक्का करना, एनपीएस को रद्द करके ओपीएस स्कीम बहाल करने, कौशल निगम भंग करने, सरकारी महकमों का निजीकरण बंद करना, विभागों में खाली पड़े लगभग 3 लाख पदों पर भर्ती करना व अन्य मांगों का समाधान आदि है। लेकिन भाजपा की सरकार ने डंडे लाठी के जोर पर कर्मचारियों का मुंह बंद करवाने का प्रयास किया।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत-अमेरिका की सेनाओं के बीच युद्धाभ्यास नौ सितंबर से

बीकानेर (हिंस)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत-अमेरिका की सेनाओं के बीच युद्धाभ्यास 9 सितंबर से शुरू होगा, जो 22 सितंबर तक चलेगा। भारतीय थल सेना के साथ दुनिया के शक्तिशाली देश अमेरिका के लगभग 1200 जवान हिस्सा लेंगे। भारत और अमेरिका के 6-6 सौ सैनिक अपनी ताकत दिखाएंगे। यह अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास होगा, क्योंकि पहली बार इतनी बड़ी संख्या में जवान महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में पहुंच रहे हैं। अभ्यास के दौरान भारत की ओर से अपनी टॉप रेंज प्रदर्शित की जाएगी और अमेरिका की ओर से पहली बार हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम तैनात किया जाएगा। यह सिस्टम लंबी दूरी तक सटीक हमले करने में सक्षम है। अभ्यास के दौरान भारत अपनी नई पीढ़ी की हथियार प्रणाली का प्रदर्शन भी करेगा। संयुक्त सैन्य अभियानों में अत्याधुनिक तकनीक को एकीकृत करने पर जोर दिया गया है। यह भारत-अमेरिका एक साथ बीसवीं बार युद्धाभ्यास कर रहा है। इस दौरान भारतीय सेना के जवान आसमान से जमीन तक अपनी ताकत दिखायेंगे। रेत के धोरों के बीच आसमान से उतरते हुए दुश्मन के ठिकानों को खत्म करने की ट्रेनिंग का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही भारत में ही बने हथियारों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। भारतीय सेना अमेरिका के जवानों को इन हथियारों की ट्रेनिंग देने के साथ इंजीनियरिंग से भी अवगत कराएगी। इसी तरह अमेरिकी हथियारों की ट्रेनिंग भारत के जवान लेंगे।

उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड प्रकरण में आरोपी को जमानत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान हाई कोर्ट ने उदयपुर के कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड मामले में आरोपी जावेद को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश आरोपी की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। याचिका में कहा गया कि एनआईएन ने बिना पुख्ता सबूत सिर्फ कॉल डिटेल के आधार पर उसे गिरफ्तार किया है, जबकि मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज में उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। वह लंबे समय से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील की ओर से कहा गया कि आरोपी हत्याकांड की कड़ी में शामिल रहा है। उसने ही मुख्य आरोपियों को कन्हैयालाल के दुकान में होने की सूचना दी थी। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि 28 जून 2022 को उदयपुर में कन्हैया लाल टेलर की हत्या कर उसका सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दिया गया था।

महाराणा प्रताप की वीरता अनमोल धरोहर है, युवा प्रेरणा लें : दीया कुमारी

भीलवाड़ा (हिंस)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गुरुवार को शाहपुरा जिले के बीरधोल में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बीरधोल में बोरड़ा से बीरधोल चैराहे तक 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सड़क और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीरधोल में निर्मित हॉल का लोकार्पण किया। बाद में कोटड़ी में चारभुजा नाथ के दर्शन किये। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जहाजपुर में स्वस्ति धाम में भूगर्भ से प्रकटित मुनि सुव्रतनाथ स्वामी जी के दर्शन किए एवं अर्गहनमति माता स्वस्ति भूषण माता के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विधायक गोपीचंद मीणा, जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत एवं जिला पुलिस अधिक्षक राजेश कांवट भी मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा की वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की यह भव्य प्रतिमा हमारे स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के प्रतीक महाराणा प्रताप जी की वीरता की अनमोल धरोहर है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया की राज्यसरकर द्वारा चलाए जा रहे महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के तहत महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित प्रत्येक स्थान पर उनकी भव्य प्रतिमाएं निर्मित की जाएगी एवं सभी स्थानों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आमजन को अपनी समस्याओं के अतिशीग्र समाधान के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संपूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्थ किया। उन्होंने बताया की सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकासकार्यों का उद्देश्य आमजन के जीवन स्तर को और भी सुगम बनाना है।

मिड डे मिल की खिचड़ी में दिखा मरा हुआ मेंढक, पांच स्कूल ने लौटाया भोजन

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ में आने वाले गिलुंड प्राथमिक स्कूल में गुरुवार को दिए मिड डे मिल के भोजन में मरा हुआ मेंढक देख कर स्कूल स्टाफ अवाक रह गया। संस्थाप्रधान ने सूझ बूझ से काम लेते हुए तत्काल क्षेत्र के पांच स्कूलों में इसकी सूचना दी और बच्चों को भोजन का वितरण रुकवाया। साथ ही अक्षय पात्र योजना से जुड़े स्टाफ को भी इस बारे में अवगत कराया। इस पर स्टाफ स्कूलों में पहुंचा और भोजन पुन: अपने साथ लेकर आए। करीब पांच स्कूलों के 300 बच्चों को आधे अवकाश में भोजन करने के लिए घर भेजा गया। चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति क्षेत्र के कई स्कूलों में अक्षय पात्र फाउंडेशन के तहत दोपहर के अवकाश का भोजन दिया जा रहा है। गुरुवार को भोजन में विद्यार्थियों के लिए खिचड़ी भेजी गई थी। गिलुंड राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय

परिसर में ही प्राथमिक विद्यालय भी संचालित है। यहां कक्षा एक से आठ तक के बच्चे अध्ययन करते हैं। यहां अक्षय पात्र फाउंडेशन से दोपहर का भोजन बच्चों के लिए पहुंचा था। मिड डे मील प्रभारी ने बच्चों को भोजन वितरण से पहले बर्तन में देखा तो मरा हुआ मेंढक दिखाई दिया। इस पर प्रभारी ने संस्थाप्रधान सुनीता शर्मा को जानकारी दी उन्होंने भी बर्तन में खिचड़ी के साथ मरा हुआ मेंढक देखा। इस पर बच्चों को दोपहर का भोजन वितरण नहीं किया। साथ ही समझदारी दिखाते हुवे तत्काल गिलुंड पीईईओ क्षेत्र में आने वाले पांच अन्य स्कूलों में फोन कर इस बारे में अवगत करवाया और विद्यार्थियों को भोजन वितरण पर रोक लगा दी। दोपहर के समय सभी बच्चों को भोजन के लिए घर जाने की छुट्टी दी। करीब 300 से ज्यादा बच्चों को इन पांच स्कूलों में मिड डे मील का भोजन नहीं दिया गया। बाद में अक्षय पत्र फाउंडेशन से जुड़े कर्मचारी भी स्कूल पहुंचे। इन सभी स्कूलों से भोजन लेकर पुन: चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना हो गए। साथ ही बच्चों को केले का वितरण करवाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक राजेंद्र शर्मा ने बताया कि मामले की जानकारी मिली तो संस्थाप्रधान से मामले की जानकारी ली है। किसी भी बच्चे को भोजन नहीं दिया गया था। अक्षय पात्र फाउंडेशन के मैनेजर से भी बात की है। इनकी रसोई का अवलोकन किया है। गड़बड़ी कहां हुई, इसकी जांच की जा रही है। इधर, अक्षय पात्र फाउंडेशन के मैनेजर दीपक सोनी ने बताया कि हमारे यहां से खाना सही गया है। हम खाने की जांच भी कर के भेजते हैं। स्कूल से सूचना मिलने के बाद टीम के साथ मौके पर जाकर मामले की जानकारी ली। किसी भी बच्चे को भोजन नहीं कराया था। हम भी जांच कर रहे हैं कि गड़बड़ी कहां हुई है।

शिक्षक दिवस पर हरे कृष्ण मूवमेंट में टीचर्स फेस्ट का भव्य आयोजन

जयपुर (हिंस)। शिष्य कच्ची मिट्टी की तरह होता है, वो गुरु ही होता है जो अपने ज्ञान से उस मिट्टी को एक सही रूप देता है और शिष्य के जीवन को संवारता है। गुरुवार को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान करने के लिए हरे कृष्णा मूवमेंट जयपुर ने टीचर्स फेस्ट-2024 का आयोजन किया। जिसमें जयपुर के कई स्कूल, यूनिवर्सिटी, कॉलेज के प्रिंसिपल्स, टीचर्स और फैकल्टी ने भाग किया। टीचर्स फेस्ट का उद्देश्य था शिक्षकों को अपनी संस्कृति और संस्कारों के बारे में जागरूक करना जिससे वो हमारी नई पीढ़ी को हमारे संस्कारों और आध्यात्मिक गतिविधियों के बारे में अवगत करवाएं ताकि वो अपनी जड़ों से जुड़ सकें। हरे कृष्ण मूवमेंट के टीचर्स फेस्ट-2024 में कई विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर-चांसलर, वाईस-चांसलर उपस्थित थे। जिन्होंने वहां पर आये टीचर्स को यह बताया की हमारी संस्कृति के मूल्य आज भी उतने ही जरूरी हैं। जितने की पहले

हुआ करते थे और उन्हीने सभी अध्यापकों से यह आह्वान किया कि किताबी ज्ञान के साथ बच्चों को हमारे मूल्यों और संस्कारों की भी समझ दें जिसे बच्चों की आध्यात्मिक और मानसिक नीव मजबूत होद्य मंदिर के उपाध्यक्ष अनंत शेष दास ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। जिनमे जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एच एन वर्मा, प्रोफेसर आर एल रैना, एस के आई टी से डॉ. रमेश कुमार पचार, एस एल सुराना, जयपाल मील, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से डॉ. एससी पाधे, जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी से प्रोफेसर विक्टर गंभीर और ज्ञानम फाउंडेशन से दीपक गोस्वामी उपस्थित थे। सभी ने वहां उपस्थित अध्यापकों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजस्थान में कार और बाइक की भिड़ंत में छह की मौत

श्रीगंगानगर (हिंस)। राजस्थान के अनूपगढ़ जिले के श्रीविजयनगर थाना क्षेत्र में बुधवार देररात हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। हादसा सूरतगढ़-अनूपगढ़ स्टेट हाइवे पर एक कार के दो बाइक को टक्कर मारने से हुआ। हादसे में तीन बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन ने हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। श्रीविजयनगर पुलिस थाना प्रभारी गोविन्द राम बिश्नोई के अनुसार हादसे में हनुमानगढ़ जिले के रावतसर थाना क्षेत्र के पल्लू निवासी ताराचंद (20), सूरतगढ़ गांव के दो एसपीएम का रहने वाला मनीष उर्फ रमेश (24), बख्तावरपुरा निवासी सुनील कुमार (20) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बख्तावरपुरा के चोहिलांवाली निवासी राहुल (20), राजियासर थाना क्षेत्र के गांव दो एसपीएम के शुभकरण (19) और बलराम उर्फ भालराम (20) को हालत गंभीर होने पर श्रीगंगानगर रेफर किया गया।

विचारधारा पर आधारित एकमात्र दल है भाजपा : सतीश शर्मा

कुशीनगर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी विचारधारा पर आधारित एकमात्र राजनीतिक दल है। हमारी सरकारें अपने विचारों पर आधारित कार्य करती है। जब जनसंघ विपक्ष बनकर उभरा, उस समय जिन दो राजनीतिक पार्टियों का अस्तित्व था *कांग्रेस और कम्युनिस्ट* दोनों पार्टियों की विचारधारा, विदेशी विचारधारा पर थी। केवल भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा ही इस माटी की उपज थी। 1984 में जब भाजपा केवल 2 सीटें जीत कर आई थी, तब पार्टी का उपहास किया जाता था। लेकिन विचारधारा, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, संघर्ष और सदस्यता अभियान के कारण भाजपा आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। उक्त बातें सूबे के खाद्य रशद एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सतीश शर्मा ने गुरुवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा। उन्होंने बताया कि 2 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है। इसका मुख्य उद्देश्य देश में 10 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। यह सदस्यता अभियान सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी होगा। यह भाजपा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही है जो पार्टी को अन्य लगभग

1500 राजनीति दलों से अलग खड़ा करती है। भाजपा का सदस्यता अभियान चार आयामों पर आगे बढ़ेगा। मिस्ड कॉल, क्यू आर कोड, नमो एप और भाजपा की वेबसाइट के माध्यम से देश का कोई भी व्यक्ति पार्टी की सदस्यता गृहण कर सकता है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा घर-घर पहुंची है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, जिला प्रभारी शकुंतला चौहान, सांसद विजय कुमार दूबे, विधायक मनीष जायसवाल, पीएन पाठक, विनय प्रकाश गोंड, मोहन वर्मा, डॉ. असीम राय, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनंद आईटी विभाग जिला संयोजक नमो नारायण मौर्य आदि उपस्थित रहे।

बिहार में भूमि सर्वेक्षण को लेकर गांव से शहर तक संशय की स्थिति

पटना (हिंस)। बिहार में भूमि सर्वेक्षण का काम चल रहा है। जमीन विवाद को निपटाने के अलावा राज्य सरकार की जमीन की स्थिति का पता लगाने के लिए जमीन का सर्वेक्षण कराया जा रहा है। गांव से लेकर शहर तक भूमि सर्वेक्षण को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। शहरों में रहनेवाले लोग गांव जाने की तैयारी में हैं तो गांव के लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि ये सब होगा कैसे। हर रैयत को इस जमीन सर्वेक्षण में भाग लेना है। हर रैयत को अपनी जमीन का सर्वेक्षण कराना है, लेकिन इसको लेकर तनाव की कोई बात नहीं है। इस काम के लिए आपको कहीं जाना नहीं है। आप अपना आधा काम घर बैठे कर सकते हैं। जमीन सर्वेक्षण के फार्म को भरने से पहले अपनी जमीन का रिकॉर्ड जैसे खतियान, केबाला, बंदोबस्ती रसीद एक फाइल में रखना होगा। इन फॉर्म्स में जमीन से सम्बंधित सभी जानकारी, रैयत का नाम, उनका अंश, पिता का नाम, खाता, खेसरा, रकबा, जमीन का प्रकार, और जमीन प्राप्त होने का माध्यम इत्यादि के बारे में त्रुटिरहित भरना होगा। सर्वेक्षण के लिए आवेदन करने वालों को कुछ कागजात अपने पास रखना जरूरी होगा, जिसमें पासपोर्ट साइज फोटो, जमीन की रसीद, स्वघोषणा पत्र, आधार कार्ड, जमीन का रकबा, खेसरा की सम्पूर्ण जानकारी, खतियान की कॉपी, मालगुजारी रसीद की प्रति, न्यायालय के आदेश की फोटोकॉपी (यदि लागू हो), अधिकार पत्र (यदि लागू हो)। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आवेदक को फॉर्म के लिए कहीं जाने की जरुरत नहीं है। यह फार्म आपको भू राजस्व विभाग के आधिकारिक साइट से डाउनलोड करना होगा, जिसका तरीका बेहद आसान है। बिहार लैंड सर्वेक्षण योजना की अधिकारिक वेबसाइट पर विजिट करना होगा। साइट पर दी गई सभी प्रक्रिया का पालन करना होगा। होमपेज पर दिए गए भूमि रिकॉर्ड पोर्टल के विकल्प का चयन करना होगा। वहां मौजूद भू सर्वेक्षण के आवेदन फॉर्म के लिंक पर क्लिक करना होगा। स्क्रीन पर लॉगिन पेज खुल जाएगा। मांगी गई जानकारी भरने के बाद आपके सामने भू-सर्वेक्षण फॉर्म खुल कर आ जायेगा। बिहार जमीन सर्वेक्षण फॉर्म 2024 महज दो पन्ने का है। इसी दो पन्ने को भरना होगा। आवेदन करने वाले को सभी जरूरी जानकारी, अपनी जमीन की जानकारी और विवरण और सारे कागजात अपलोड करने होंगे। जमीन के दस्तावेजों के आधार पर स्व घोषणा प्रपत्र-2 और वंशावली प्रपत्र-3 (1) फॉर्म को ऑनलाइन और ऑफ लाइन दोनों माध्यमों से जमा किया जा सकता है। उसके बाद आप फॉर्म को सबमिट कर सकते हैं। साथ ही आवेदन पत्र का एक प्रिंट आउट निकाल कर अपने पास रख सकते हैं। ऑफलाइन प्रक्रिया में सभी आवेदनों को भरने के बाद फार्म को गांव में आयोजित कैंप में जमा करना होगा।

राहुल गांधी को न सत्ता का शिष्टाचार पता है और न ही विपक्ष का शऊर : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संसद में विपक्ष के नेता को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बहुरंगी प्रतिभा के धनी राहुल गांधी को न सत्ता का शिष्टाचार पता है और न ही विपक्ष का शऊर है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि सत्ता में रहने पर राहुल गांधी अपनी सरकार का अध्यादेश फाड़ते थे और अब बतौर विपक्ष का नेता होने पर दस मिनट शांति से संसद में बैठ नहीं सकते। आगे केशव लिखते हैं कि हो सकता है कि इस ट्वीट पर उनके दरबारी अखिलेश यादव फिर भड़क उठें। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की देन है कि राहुल गांधी आप कांग्रेस के सभी सदस्यों को साथ लेकर श्रीनगर के लालचौक पर आराम से काफ़ी पी सकते हैं। भाजपा ही वर्तमान, भाजपा ही भविष्य।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और नीतीश कुमार शुक्रवार को करेंगे 16 नए स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन

कटिहार (हिंस)। बिहार के कटिहार जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 16 नए स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन किया जाएगा। इनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शामिल हैं। इन स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन शुक्रवार (06 सितंबर) को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित उद्घाटन कार्यक्रम में भीड़ नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संचालन जिला प्रशासन द्वारा एवं प्रत्येक स्थल पर शिलापट्ट अनावरण का कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाने की व्यवस्था बीएमएसआईसीएल के सहयोग से सिविल सर्जन द्वारा किया जाएगा। आइजीआइएमएस से वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन के बाद संबंधित क्षेत्र में सांसद, विधायक व विधान पार्षद द्वारा अपने क्षेत्र में चिन्हित नवनिर्मित स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन संबंधी शिलापट्ट का संबंधित भवन में जाकर अनावरण किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रखंडों में प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा

पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन के बाद वहां के स्थानीय लोगों को इसका आवश्यक लाभ आसानी से उपलब्ध हो सकेगा। इसके लिए सभी संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है। स्थानीय क्षेत्र स्तर पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को इसका लाभ आसानी से मिल सकेगा और लोग स्वास्थ्य रह सकेंगे। कटिहार जिले में 16 स्वास्थ्य परियोजनाओं में कुर्सेला प्रखंड में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अहमदाबाद प्रखंड में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिल्ली दीवानगंज, हसनगंज प्रखंड में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बलुआ, डंडखोरा प्रखंड में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिया के साथ साथ बारसोई प्रखंड में तीन अस्पताल मातृ-नवजात शिशु देखभाल इकाई बारसोई, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, मानमन एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शिवानंदपुर का उद्घाटन किया जाएगा। इसके साथ साथ फलका प्रखंड में दो अस्पताल हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, भरसिया और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, चंदवा का, कदवा प्रखंड में दो अस्पताल हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, रौनिया और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, बिन्दावरी का उद्घाटन किया जाएगा। इसके अलावा प्राणपुर प्रखंड में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर केहुनिया का, मनिहारी प्रखंड में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नीमा का, कोढ़ा प्रखंड में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर शिशिया का, कटिहार प्रखंड में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर खैरा का और डंडखोरा प्रखंड में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर डंडखोरा शामिल है।

देश बदलावों के लिए तैयार, भारत सतत वृद्धि के पथ पर अग्रसर : शक्तिकांत दास

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि देश सतत वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी चालक गति पकड़ रहे हैं। इन बदलावों के लिए देश तैयार है।

शक्तिकांत दास ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना एफआईबीएसी 2024 सम्मेलन में यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने उद्घाटन भाषण में कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, देश इन बदलावों के लिए तैयार है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक ने 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के लिए अपने विकास दर के अनुमान को संशोधित करके अब इसे 7 फीसदी पर रखा है। वहीं, दो दिन पहले विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास के अनुमान को बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। ऐसे में मुझे लगता है कि सभी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और रिजर्व बैंक की ओर से लगाए गए आर्थिक वृद्धि दर की बात करें, तो हमारी धारणाएं और अनुमान एक दूसरे से मेल खा रहे हैं।

गवर्नर दास ने आगे कहा कि एफआईबीएसी वार्षिक सम्मेलन में वापस आकर खुशी हो रही है। यह सम्मेलन विशेष है क्योंकि यह उद्योग जगत के नेताओं, वित्तीय क्षेत्र के खिलाड़ियों और नियामकों को समकालीन प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर लाता है। मैं इस वार्षिक सम्मेलन के आयोजन के लिए फिक्की और आईबीए को बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों और बाजारों में बड़े पैमाने पर बदलाव हो रहे हैं। एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में हमारे देश की यात्रा कारकों के एक अनूठे मिश्रण से शक्ति प्राप्त कर रही है। ये एक युवा और गतिशील आबादी, एक लचीली और विविध अर्थव्यवस्था, एक मजबूत लोकतंत्र, उद्यमशीलता और नवाचार की एक समृद्ध परंपरा है।

न्यूज ब्रीफ

सेमीकंडक्टर उद्योग में सप्लाई चेन और स्किल की चुनौती

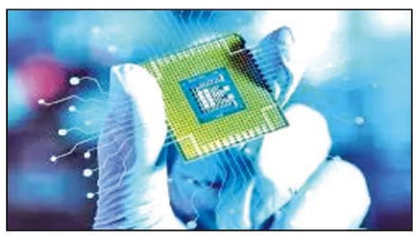

नई दिल्ली। ताइवान की सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कंपनियां बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत को वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही हैं, लेकिन इस संभावित साझेदारी को साकार करने की राह में कई चुनौतियां हैं। ताइवान आसियान अध्ययन केंद्र की निदेशक क्रिस्टी त्सुन-त्जू हसू ने कहा कि किसी देश या स्थान में निवेश करने का फैसला लेते समय ताइवान की कंपनी पांच प्रमुख बातों को ध्यान में रखती है। इनमें स्थानीय ग्राहक सहायता, बुनियादी ढांचे की पूर्णता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, स्थानीय सरकार का नीतिगत समर्थन और पर्याप्त प्रतिभा की उपलब्धता शामिल हैं। हाल में मुंबई में आयोजित अश्वमेध इलारा इंडिया डायलॉग 2024 में हसू ने कहा कि टीएसएमसी के साथ केवल एक टाटा की साझेदारी कभी भी काफी नहीं रहेगी। भारत को प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और कारोबारी साझेदारों की व्यापक श्रृंखला के साथ संबंध बनाने की आवश्यकता है। देश में शैशव अवस्था वाले सेमीकंडक्टर उद्योग को विदेश में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभाओं को वापस देश में आकर्षित करना भी चुनौतीपूर्ण लगता है। ताइवान में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीयों के बारे में हसू ने कहा कि ताइवान में प्रशिक्षण लेने के बाद उनमें से बहुत से लोग काम पर वापस आने के इच्छुक नहीं होते हैं।

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री अगस्त में पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली। ग्राहक खरीद में देरी, खराब उपभोक्ता धारणा तथा लगातार भारी बारिश की वजह से भारत में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में सालाना आधार पर पांच फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगस्त में कुल 3,09,053 यात्री वाहन (पीवी) का पंजीकरण हुआ, जबकि अगस्त 2023 में यह संख्या 3,23,720 थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बयान में कहा कि त्यौहारी मौसम के बावजूद बाजार पर काफी दबाव बना हुआ है। वाहन अब 70-75 दिन तक गोदाम में रखे रहते है और इन्वेंट्री कुल 7.8 लाख वाहनों की है, जिसका मूल्य 77,800 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पी.वी. मूल उपकरण निर्माता (ओ.ई.एम.) मासिक आधार पर डीलर को भेजे जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि कर रहे हैं, जिससे समस्या और भी गंभीर हो रही है। उन्होंने कहा कि फाडा सभी बैंकों तथा एनबीएफसी से तत्काल हस्तक्षेप करने और अत्यधिक स्टॉक रखने वाले डीलर को दिए जाने वाले वित्तपोषण को नियंत्रित करने का आग्रह करता है।

एडटेक दिग्गज बैजूस के लेनदार फिर से करें अपील: एनसीएलटी

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के दौरान एडटेक दिग्गज बैजूस के अमेरिकी लेनदारों से कहा है कि लेनदारों की समिति को हटाने वाली याचिका की सुनवाई के लिए नई अपील करे। एनसीएलटी ने मामले की सुनवाई 11 सितंबर तक टाल दी। बैजूस के अमेरिकी लेनदारों का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्लास ट्रस्ट ने एक पत्र में दावा किया कि अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) ने सीओसी से लेनदारों को गैरकानूनी तौर पर निकाल दिया है। यह जानकारी ग्लास ट्रस्ट के ईमेल से मिली। जानकार सूत्रों ने बताया कि आईआरपी पंकज श्रीवास्तव ने ग्लास ट्रस्ट को सीओसी से हटा दिया और दावा किया कि वह कंसोर्टियम के न्यूनतम 51 फीसदी लेनदारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इस बारे में श्रीवास्तव से संपर्क की कोशिश की गई लेकिन वह नाकाम रही। अयोग्य ठहराए जाने पर अमेरिकी लेनदारों ने एक ईमेल में कहा कि अयोग्य ठहराए जाने का मामला किसी भी तरह से थिंक ऐंड लर्न की वित्तीय देनदारी के खिलाफ ग्लास ट्रस्ट के दावे को कहीं से भी कमतर नहीं बताता, जिसे पहले पंकज ने मानते हुए मूल रूप से ग्लास ट्रस्ट को सीओसी में शामिल किया था।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार में गिरावट के बावजूद निवेशकों ने की 53 हजार करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। हालांकि, खरीदार लगातार लिवाली का जोर बना कर शेयर बाजार को सहारा देने की कोशिश करते रहे, जिसके कारण दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव भी होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के दौरान आईटी, मीडिया, मेटल, टेलीकॉम और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर कैपिटल गुड्स, रियल्टी, पावर, ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

बाजार में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 465.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 53 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,037 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,260 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,667 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,443 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,476 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 967 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 117.15 अंक की मजबूती के साथ 82,469.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 264.85 अंक की बढ़त के साथ 82,617.49 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि ये मजबूती अधिक देर कायम नहीं रह सकी, क्योंकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 222.20 अंक की कमजोरी के साथ लुढ़क कर 82,130.44 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 151.48 अंक की गिरावट के साथ 82,201.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 51.80 अंक की बढ़त के साथ 25,250.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 25,275.45 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 70.95 अंक फिसल कर 25,127.75 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों के एक्टिव हो जाने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी ने 53.60 अंक टूट कर 25,145.10 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 3.19 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 1.29 प्रतिशत, विप्रो 1.10 प्रतिशत, बीपीसीएल 0.97 प्रतिशत और आईटीसी 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सिप्ला 1.46 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.42 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.35 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.32 प्रतिशत और ब्रिटानिया 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

मोदी की यात्रा का असर

सिंगापुर की कंपनी ने भारत को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही वहां की एक कंपनी ने बड़ा ऐलान कर दिया। सिंगापुर की प्रमुख रियल एस्टेट निवेश कंपनी कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट ने घोषणा की है कि 2028 तक भारत में उसका अपने फंड अंडर मैनेजमेंट को दोगुना से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य है। वर्तमान में भारत में कैपिटालैंड के पास 7.4 बिलियन सिंगापुर डॉलर का फंड है। कंपनी ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी ने कई योजनाएं बनाई हैं। मोदी की यात्रा का उद्देश्य भारत-सिंगापुर दोस्ती को बढ़ावा देना, रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना और सिंगापुर से निवेश आकर्षित करना है। कैपिटालैंड के समूह के सीईओ ली ची कून ने कहा कि भारत वैश्विक कंपनियों और संस्थागत निवेशकों से क्वालिटी एसेट्स को आकर्षित कर रहा है। कून ने यह भी कहा कि कैपिटालैंड भारत में रिन्यूएबल एनर्जी और रियल एस्टेट प्राइवेट क्रेडिट सेगमेंट में प्रवेश के अवसर देखेगा। पिछले महीने, कैपिटलैंड ने भारत में बिजनेस पार्क विकास के लिए एक फंड लॉन्च किया था। इससे कैपिटालैंड के फंड अंडर मैनेजमेंट पोर्टफोलियों में 70 करोड़ डॉलर जुड़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचे और उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत की। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और अन्य सरकारी अधिकारी भी सिंगापुर में मौजूद हैं।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बेचकर 5,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने धन जुटाने के लिए 29 अगस्त को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) जारी किया था। प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया ?कि निदेशक मंडल की वित्त पोषण जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत निवेशकों को 1,674 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2,98,68,578 शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य समिति द्वारा निर्धारित 1,755.09 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य से 4.62 प्रतिशत कम था।

ड्रोन के सुरक्षित संचालन के लिए दिशा-निर्देशों पर काम कर रहे हैं गृह मंत्रालय : नायडू

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि नागर विमानन और गृह मंत्रालय ड्रोन के सुरक्षित संचालन के साथ-साथ उसके उचित उपयोग के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को लेकर काम कर रहे हैं। मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार मणिपुर में हाल की घटना के संदर्भ में गलत मकसद से उड़ाए जा रहे ड्रोन के मामलों से निपटने के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है।

मणिपुर में हाल ही में जातीय हिंसा के दौरान उग्रवादियों ने बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। नायडू ने कहा कि ड्रोन को लेकर सुरक्षा का पहलू भी है। हम गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुछ दिशानिर्देश तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं और यदि आवश्यक हुआ तो इसके लिए एक अधिनियम भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिशानिर्देशों का मकसद सुरक्षित संचालन और ड्रोन का अधिकतम इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया जा रहा है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठा रही है। नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक सम्मेलन से इतर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न गतिविधियों, खासकर कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल का काफी समर्थन कर रहे हैं। जब हम दिशानिर्देश तैयार करते हैं तो इसमें ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ सुरक्षा के पहलू को भी ध्यान में रखना होता है। यह एक अंतर-मंत्रालयी प्रयास होगा, हम विचार-विमर्श की प्रक्रिया में हैं।

4 रुपये महंगा हो गया पेट्रोल-डीजल, मिजोरम सरकार ने वैट बढ़ा कर दिया झटका, 100 के करीब पहुंचा तेल

नई दिल्ली। सितंबर का महीना मिजोरम में रहने वालों के लिए भारी पड़ने वाला है। यहां की सरकार ने महीने की शुरुआत में ही जनता को तगड़ा झटका दे दिया है। राज्य सरकार ने बताया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जा रही है। अब यहां पेट्रोल की कीमत 100 रुपये के करीब पहुंच गई है। प्रदेश के लोगों को 1 सितंबर से ही पेट्रोल-डीजल पर बढ़ी हुई कीमत चुकानी पड़ रही है।

दरअसल पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम की सरकार ने इस महीने की शुरुआत में ही पेट्रोल और डीजल के दाम चार रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। राज्य के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। मिजोरम के कराधान यानी टैक्स मंत्री डॉ वनललथलाना ने कहा कि ईंधन कीमतों में यह बढ़ोतरी सामाजिक बुनियादी ढांचे और सड़क रखरखाव के लिए पैसे जुटाने के इरादे से की गई है।

कहां होगा पैसे का इस्तेमाल- मिजोरम के टैक्स मिनिस्टर ने कहा कि सरकार ने सामाजिक बुनियादी ढांचे और सेवा उपकर के लिए डीजल और पेट्रोल दोनों पर दो-दो रुपये प्रति लीटर और सड़क रखरखाव के लिए दो रुपये प्रति लीटर का नया शुल्क लगाया है। उन्होंने कहा कि नई कीमतें राज्य में एक सितंबर से लागू हो गई हैं। यह निर्णय लोगों के लाभ और कल्याण के लिए लिया गया है।

कीमत अब भी 3 साल पहले से कम- मंत्री वनललथलाना ने कहा कि कुल चार रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी और हाल में वैट शुल्क बढ़ाए जाने के बावजूद अभी प्रदेश में ईंधन की मौजूदा कीमतें वर्ष 2021 की कीमतों से कम हैं। राज्य सरकार का कहना है कि बढ़े हुए पैसों का इस्तेमाल प्रदेश में रुकी हुई इन्फ्रा परियोजनाओं को पूरा करने और नई परियोजनाओं को लांच करने में किया जाएगा।

अब कितनी हो गई तेल की कीमत-मिजोरम सरकार ने हाल ही में पेट्रोल पर वैट 5.23 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और डीजल पर 16.36 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने की अधिसूचना जारी की थी।

इस अतिरिक्त शुल्क के साथ राजधानी आइजोल में पेट्रोल की मौजूदा कीमत 99.24 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल की कीमत 88.02 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। टैक्स बढ़ाने से पहले इनकी कीमत क्रमश: 93.93 रुपये और 82.62 रुपये प्रति लीटर थी।

गोयल ने इस्पात उद्योग के शीर्ष नेताओं के साथ कार्बन कर मुद्दे पर बातचीत का दिया सुझाव

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने गुरुवार को इस्पात क्षेत्र में सतत विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए इस्पात उद्योग की शीर्ष नेताओं के साथ कार्बन सीमा समायोजन कर पर चर्चा करने का सुझाव दिया। उन्होंने उद्योग से वर्ष 2047 तक 50 करोड़ टन इस्पात के उत्पादन का लक्ष्य रखने को भी कहा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) के स्टील कॉन्क्लेव 2024 को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने संबोधन में उद्योग से 2047 तक 50 करोड़ टन इस्पात उत्पादन का लक्ष्य रखने को भी कहा। फिलहाल उद्योग की नजर 2030 तक 30 करोड़ टन उत्पादन करने पर है।

वाणिज्य मंत्री ने उद्योग को कार्बन उत्सर्जन कम करने और देश में उच्च उत्पादकता तथा गुणवत्ता वाले इस्पात को बढ़ावा देने के लिए नए एवं बेहतर तरीके खोजने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आइए हम अपने उत्पादन को अनुकूलित करने, अपशिष्ट को कम करने और मूल्य श्रृंखला की दक्षता में सुधार करने तथा संसाधनों के सर्वोत्तम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था की दिशा में काम करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करने की कोशिश करें।

उन्होंने कार्बन कर पर सुझाव दिया कि इस्पात उद्योग की चार-पांच शीर्ष हस्तियां इस अहम विषय पर विचार-विमर्श के लिए उनके साथ बैठक कर सकती हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार धन की कमी के कारण निर्यात उत्पादों पर शुल्कों और करों में छूट (आरओडीटीईपी) योजना का लाभ इस क्षेत्र को नहीं दे पा रही है। उन्होंने कहा कि आइए हम चार-पांच लोग सीमा समायोजन कर पर एक और प्रयास करते हैं।

गोयल ने उद्योग से अन्य देशों में किसी भी अनुचित व्यापार प्रथाओं के बारे में सरकार को सूचित करने को भी कहा, ताकि भारत उनके खिलाफ जवाबी कदम उठा सकें। उन्होंने कहा कि बिजली शुल्क, कोई भी अतिरिक्त राज्य शुल्क या कर जो आपको नहीं मिल रहा है, जो अन्य देशों में नहीं वसूला जा रहा है, उसे सीमा समायोजन कर के जरिए समायोजित किया जा सकता है।

बाजार नियामक सेबी ने कहा- कर्मचारी बाहर से हो रहे मिसगाइड

मुंबई। बाजार नियामक सेबी ने टॉक्सिक वर्क कल्चर को लेकर लगे आरोपों के बीच सेबी ने नई सफाई पेश की है। सभी आरोपों को सेबी ने खारिज किया है। आधिकारिक सफाई पेश करते हुए सेबी ने कहा कि जिन कर्मचारियों ने आरोप लगाए हैं वे बाहर के लोगों से मिस गाइड हो रहे हैं। इस मामले पर सेबी ने बयान जारी कर कहा कि एचआरए और टॉक्सिक वर्क कल्चर को लेकर कर्मचारियों ने जो शिकायतें की है वो बाहर के लोगों के झांसे में आकर की गई है। इस तरह की नकारात्मक बातों का उद्देश्य है की सेबी की विश्वसनीयता पर संदेह किया जा सके।

हालांकि सेबी ने कहा कि बाजार के जटिल इकोसिस्टम कि उच्च पारदर्शिता के साथ निगरानी करने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है। सेबी का यह बयान उन खबरों के बीच आया है जिसमें कहा गया है कि नियामकीय संस्था के कर्मचारियों ने सरकार को पत्र लिखकर टॉक्सिक वर्क कल्चर पर चिंता व्यक्त की है। सेबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि छह अगस्त, 2024 के इस पत्र में गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति होने के संबंध में किए गए दावे गलत हैं। इसके साथ ही सेबी ने ये संदेह भी व्यक्त किया कि उसके अधिकारियों को बाहरी तत्वों से संदेश मिल रहे है। जिनके दिशा निर्देश अनुसार उन्हें 'मीडिया, मंत्रालय या बोर्ड में जाने' के लिए उकसाया जा रहा है। उसका मानना है कि बाहरी लोग संभवत: अपने एजेंडा के लिए ऐसा कर रहे हैं। सेबी ने कहा कि हमें आशंका है कि कनिष्ठ अधिकारियों को बाहरी तत्वों से संदेश मिल रहे हैं, जो उन्हें 'मीडिया में जाने, मंत्रालय में जाने, बोर्ड में जाने' के लिए उकसा रहे हैं और बाहरी तत्व शायद अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए ऐसा कर रहे हैं। असल में छह अगस्त, 2024 का पत्र सेबी कर्मचारी संघों ने सरकार को नहीं भेजा था।

बाजार नियामक ने कहा कि यह एक गुमनाम ईमेल के रूप में भेजा गया था। अधिकारियों और कर्मचारी संघों ने खुद इसकी निंदा करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को ईमेल के जरिये इसकी जानकारी दी है।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंची न्यूजीलैंड की टीम

ग्रेटर नोएडा। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एकमात्र टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा पहुंची।

यह मैच 9 से 13 सितंबर तक खेला जाएगा। यह ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड पर खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी, स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन, उप कप्तान टॉम लैथम और टीम के अन्य सदस्य गुरुवार सुबह नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हुए। स्टार अफ़गान ऑलराउंडर राशिद खान पीठ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से बाहर हो गए हैं। जुलाई की शुरुआत में, राशिद को अफगानिस्तान के घरेलू टी20 टूर्नामेंट, स्पीन घर टाइगर्स (एसजीटी) के लिए शपागीज़ा क्रिकेट लीग (एससीएल) में खेलते समय चोट लग गई थी। ब्लैक कैप्स पाँच स्पिन-गेंदबाज़ी विकल्पों के साथ भारत पहुँची है।

स्पिन विभाग में मिशेल सेंटनर, एजाज पटेल, रचिन रवींद्र, माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए अफगानिस्तान की टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखिल (विकेट कीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नायब, अफसर जजई (विकेट कीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद, जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जादरान, खलील अहमद, यामा अरब।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड की टीम: टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उप कप्तान), डेरिल मिशेल, विल ओ%रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

बैलोन डीओर 2024: रोनाल्डो, मेसी का नाम नहीं, एमबाप्पे, हालैंड मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली। बैलन डीओर 2024 सूची में दो दशकों में पहली बार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का नाम नहीं है। पुरस्कार के लिए नामांकितों की सूची बुधवार को घोषित की गई। दूसरी ओर, काइलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालैंड इंग्लैंड के प्रतिभाशाली खिलाड़ी जूड बेलिंगहैम के साथ सूची के मुख्य आकर्षण हैं, जबकि स्पेन की विजयी 2024 यूरोपीय चैम्पियनशिप के दो युवा सितारे लैमिन यामल और निको विलियम्स भी सूची में शामिल हैं। मेसी और रोनाल्डो इस पुरस्कार के दो सबसे सफल विजेता हैं। मेसी ने इस पुरस्कार को रिकॉर्ड आठ बार और रोनाल्डो ने पांच बार जीता है। बैलन डीओर 2024 के लिए नामांकितों की पूरी सूची: जूड बेलिंगहैम, हाकन काल्हानोग्लू, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हैलैंड, लैमिन यमल, दानी कार्वाजल, रूबेन डायस, आर्टेम डोबविक, फिल फोडेन, एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो, मैट हम्मेल्स, हैरी केन, टोनी क्रोस, एडेमोला लुकमैन, एमिलियानो मार्टिनेज, लुटारो मार्टिनेज, मार्टिन ओडेगार्ड, दानी ओल्मो, कोल पामर, डेक्लान राइस, रोड्री, एंटोनियो रुडिगर, बुकायो साका, विलियम सलीबा, फेडेरिको वाल्वरडे, विनीसियस जूनियर, विटिन्हा, निको विलियम्स, फ्लोरियन विर्ट्ज़, ग्रैनिट जाका।

टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली। अगले माह एशियाई चैम्पियनशिप मे भाग लेंगे दिगगज भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे। शरत ने कहा कि वह अभी एक और सत्र में भाग लेंगे। इसी के बाद उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप के लिए पुरुष टीम की कप्तानी दी गयी है। एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन सात अक्टूबर से अस्ताना में किया जाएगा। शरत एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी भाग लेंगे। शरत ने दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने की भी योजना बनायी है। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। इसके साथ ही मैं भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) के साथ एक ढांचा बनाने का प्रयास करुंगा जिससे खेल प्राधिकरण (साई) और टीटीएफआई के बीच अंतर कम किया जा सके और अधिक से अधिक कारपोरेट प्रायोजक सामने आएं। शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में शामिल पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में भी शामिल रहे हैं और निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह साल 2026 एशियाई खेलों में भाग ले सकते हैं पर साल 2028 ओलंपिक में शामिल नहीं होंगे।

विराट सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कमाई के मामले जितने आगे हैं। उतने ही आयकर भरने को लेकर भी हैं। विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेटर सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ का टैक्स भरा है। विराट कोहली सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद महेन्द्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर हैं। धोनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विराट कोहली के बाद सबसे अधिक 38 करोड़ का टैक्स भरा है। वहीं तेंदुलकर ने 28 करोड़, गांगुली ने 23 करोड़ और हार्दिक पांड्या ने 13 करोड़ का टैक्स भरा है। इस सूची में ऋषभ पंत 10 करोड़ के टैक्स के साथ 6ठे स्थान पर हैं। हैरानी की बात ये है कि इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं।

पेरिस पैरालिंपिक

धरमबीर ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 में नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, प्रणव को रजत

पेरिस। चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में धरमबीर ने एक नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रणव सूरमा ने रजत पदक जीता। 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता धरमबीर ने चार फ़ाउल किए, अपने पांचवें प्रयास में वह 34.92 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे, जो स्वर्णिम साबित हुआ। उनका अंतिम थ्रो 31.59 मीटर था। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2020 में पैरालिंपिक में भाग लिया था, जिसमें वे क्रमश: नौवें और आठवें स्थान पर रहे थे। 35 वर्षीय धरमबीर हरियाणा के सोनीपत से हैं। 2012 में डाइविंग करते समय वे पानी के नीचे की चट्टानों से टकरा गए थे और इसके परिणामस्वरूप कमर के नीचे लकवा मार गया था। उन्होंने 2014 में अमित कुमार सरोहा के मार्गदर्शन में इस खेल को अपनाया। हांग्जो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 34.59 मीटर था जो उनके पहले प्रयास में आया। एक फाउल के अलावा, उनके बाकी चार थ्रो 34.19 मीटर, 34.50 मीटर, 33.90 मीटर और 33.70 मीटर थे। प्रणव 16 वर्ष की आयु में ही लकवाग्रस्त हो गए थे, जब 2011 में उनके घर की छत उन पर गिर गई थी। हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले 29 वर्षीय प्रणव पेशे से बैंकर हैं। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय अमित कुमार सरोहा केवल 23.96 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके और 10 प्रतिभागियों में अंतिम स्थान पर रहे। 39 वर्षीय अमित ने 2012 में लंदन में पुरुषों की डिस्कस थ्रो एएफ51 स्पर्धा में अपना पैरालिंपिक पदार्पण किया था, इससे पहले उन्होंने

2016 में रियो डी जेनेरियो और 2021 में टोक्यो में पुरुषों की क्लब थ्रो एएफ51 में देश का प्रतिनिधित्व किया था। अमित कुमार सरोहा 22 साल की उम्र में एक कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी के दबाव के कारण क्वाड्रिप्लेजिक होने से पहले राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी थे। वह दो बार विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उनके पास दो स्वर्ण सहित पांच एशियाई खेल पदक भी हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ज़ेल्को दिमित्रिजेविक ने 34.18 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। क्लब थ्रो एक ऐसा इवेंट है जिसमें उद्देश्य लकड़ी के क्लब को जितना संभव हो सके उतना दूर फेंकना होता है। यह हैमर थ्रो के बराबर पैरा है जिसमें प्रतिभागी थ्रो के लिए आवश्यक शक्ति उत्पन्न करने के लिए कंधों और बाहों पर निर्भर करते हैं। बता दें कि अब तक भारत ने पैरालंपिक खेलों के चल रहे संस्करण में 24 पदक जीत लिये हैं, जिनमें पाँच स्वर्ण, नौ रजत और 10 कांस्य शामिल हैं।

हरविंदर सिंह ने रचा इतिहास, तीरंदाजी में भारत को पैरालंपिक में दिलाया स्वर्ण पदक

पेरिस। पैरालंपिक 2024 में भारत का उत्कृष्ट प्रदर्शन लगातार जारी है। पेरिस पैरालंपिक में बुधवार को तीरंदाज हरविंदर सिंह ने पुरुष रिकर्व के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ अब पेरिस पैरालंपिक में भारत के 22 पदक हो गए हैं। इनमें चार स्वर्ण, आठ रजत और 10 कांस्य हैं। अब भारत पैरालंपिक की पदक तालिका में 15वें स्थान पर पहुंच गया है। हरविंदर ने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह तीरंदाजी में भारत का पहला पैरालंपिक स्वर्ण पदक है। पैरालंपिक में ये हरविंदर सिंह का दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने 2020 पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत का आर्चरी में ये पहला मेडल भी है। अब तक पैरालंपिक में भारत ने आर्चरी के अलावा शूटिंग, एथलेटिक्स और बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीता है। हरविंदर सिंह का गोल्ड मेडल मैच में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें पहले सेट को उन्होंने 28-24 के स्कोर से अपने नाम करने के साथ 2 अहम प्वाइंट हासिल किए। इसके बाद दूसरे सेट में हरविंदर ने फिर से 28 का स्कोर किया, जबकि पौलैंड के पैरा एथलीट 27 का स्कोर ही कर सके। एक अंक के अंतर से यह सेट भी हरविंदर के नाम रहा। फिर तीसरे सेट में हरविंदर ने 29-25 के अंतर से जीत हासिल करने के साथ 2 प्वाइंट बटोरे और 6-0 से मात देते हुए गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल की। इससे पहले हरविंदर ने सेमीफाइनल मैच में ईरान के पैरा एथलीट के खिलाफ 1-3 से पिछड़ने के बाद शानदार तरीके से वापसी करने के साथ 7-3 से जीत हासिल की और गोल्ड मेडल मैच के लिए अपनी जगह को पक्का किया था।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में नहीं खेलेंगे ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि ईशान किशन को ऑल-इंडिया बुची बाबू टूर्नामेंट के दौरान लगी कमर की चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर कर दिया गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है और उनके जल्द स्वस्थ होने की दिशा में काम कर रही है। चयन समिति ने संजू सैमसन को इंडिया डी टीम में किशन की जगह शामिल किया है। वहीं, बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी ऑल-इंडिया बुची बाबू टूर्नामेंट में फील्डिंग करते समय अपने दाहिने अंगूठे में मोच आने के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी चोट का आकलन कर रही है और अगले सप्ताह होने वाले आगे के मूल्यांकन से दूसरे दौर के लिए उनकी उपलब्धता का निर्धारण होगा। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपने बाएं क्वाड्रिसेप्स टेंडन की सर्जरी के बाद अपने रिहैब के पूरा होने के करीब हैं और दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के खेल से बाहर हो जाएंगे। इस बीच, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को खेलने की अनुमति मिल गई है और वे चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए अद्यतन टीमें इस प्रकार हैं-

भारत ए: शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुष कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, खलील अहमद, अवेश खान, विदवथ कावेरप्पा, कुमार कुशाग्र, शास्वत रावत।

भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी। एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत सी: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाल विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन 4 अक्टूबर 2024 से

मुंबई। प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन , 4 अक्टूबर से शुरु हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर 2024 को होगा। इस सीज़न में देश के सभी हिस्सों से 6 टीमों में कुल 180 आर्म-रेसलर्स शामिल होंगे, जो प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए पुरुष, महिला और विकलांग श्रेणियों में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रो पंजा लीग, जिसकी सह-स्थापना बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता परवीन डबास और प्रीति झंगियानी ने की है और जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज सुनील शेट्टी भागीदार हैं, ने 2023 में पहले सीजन से पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के दो संस्करण, कई मेगा मैच और कई प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए, जो 32 मिलियन अद्वितीय दर्शकों के साथ एक बड़ी सफलता साबित हुई। प्रो पंजा लीग ने भारत में आर्म रेसलिंग के खेल को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की है।

सीजन 2 को लेकर प्रो पंजा लीग के सह-मालिक परवीन डबास ने कहा, पहले सीजन ने

साबित कर दिया कि अगर सही तरीके से पेश किया जाए तो पंजा के खेल के लिए बहुत सारे दर्शक हैं और हम दर्शकों के प्यार के लिए आभारी हैं। यह सीजन और भी रोमांचक होने का वादा करता है, क्योंकि खिलाड़ियों को इसमें बहुत बड़ी हिस्सेदारी का एहसास है और वे अब पूरी तरह से अलग स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। हम भारत में स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट के रूप में पंजा लाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को दिखाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिकी ओपन : झांग शुआई/क्रिस्टिना म्लादेनोविच महिला युगल के फाइनल में

वाशिंगटन। चीन की झांग शुआई और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच ने अमेरिकी ओपन महिला युगल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

झांग-क्रिस्टीना की जोड़ी ने बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा को 7-5, 4-6, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सामंथा स्टोसुर के साथ 2021 में यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीतने वाली झांग अब अपने चौथे ग्रैंड स्लैम युगल फाइनल में पहुंच गई हैं। झांग और म्लादेनोविच का मुकाबला शुक्रवार को फाइनल में 7वीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको और ल्यूडमिला किचेनोक से होगा। सिनियाकोवा ने ग्रैंड स्लैम युगल टूर्नामेंटों में अपना दबदबा कायम रखा है, उन्होंने कोको गॉफ के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब जीता और फिर टाउनसेंड के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड क्लब में ट्रॉफी अपने नाम की।

टाउनसेंड अभी भी खिताब के साथ न्यूयॉर्क से

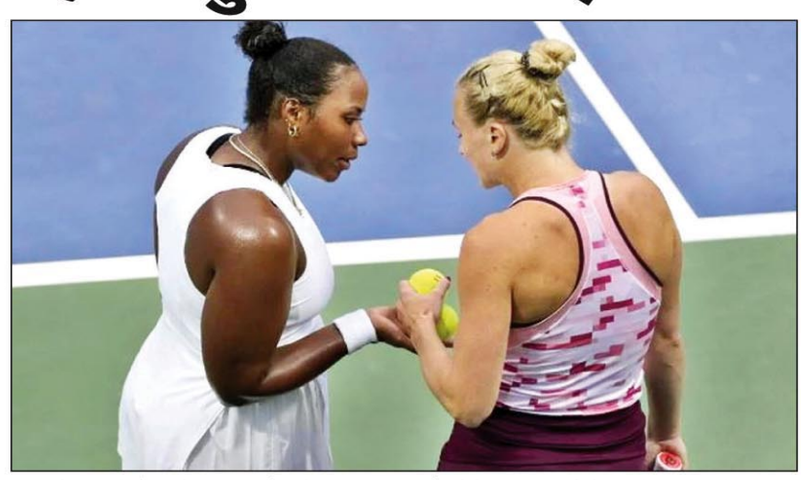

विदा ले सकती हैं, क्योंकि वह और डोनाल्ड यंग गुरुवार को मिश्रित युगल फाइनल में खेलेंगे।

ओस्टापेंको और किचेनोक ने हाओ-चिंग चैन और वेरोनिका कुडरमेतोवा की 10वीं वरीयता प्राप्त टीम को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

सेमीफाइनल को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं : प्रिंस यादव

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली 6 की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले गेंदबाज प्रिंस यादव अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग के सेमीफाइनल में गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

पुरानी दिल्ली 6 ने बीते सोमवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस मैच में प्रिंस यादव सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे थे, उन्होंने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू के महत्वपूर्ण विकेट के साथ तीन विकेट चटकाए थे।

इस मैच में दिल्ली 6 के लिए सबसे किफायती गेंदबाज रहे प्रिंस ने फ्रैंचाइजी द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, मैंने बहुत बार ऐसी परिस्थितियों का सामना किया है, इसलिए मुझे पता था कि ऐसे समय पर क्या करना चाहिए। मैंने ओस में गेंदबाजी का बहुत अभ्यास किया है, इसलिए यह उतना कठिन नहीं था। मैंने हमेशा अपनी टीम के लिए कठिन ओवर फेंके हैं और उस वक्त भी सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने के बारे में सोच रहा था, क्योंकि हमें किसी भी हाल में वह मैच जीतना था ताकि हम क्वालिफाई करने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर न रहें।

एक समय पिछड़ती सी दिख रही पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीतकर दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार वापसी की है। ऐसा पहली बार था, जब पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीते हों।

प्रिंस ने आगे कहा कि, हमें टीम ऑनर, सहयोगी स्टाफ और कोच ने बहुत ज्यादा प्यार दिया है। स्थिति चाहे जैसी रही हो सभी ने माहौल को हमेशा बहुत हल्का और ठंडा रखा, जिससे हमें खिलाड़ी के रूप में मानसिक तौर पर काफी मजबूती मिली। उन्होंने आगे कहा, मैं सेमीफाइनल को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं और अब टीम की निगाह दिल्ली प्रीमियर लीग की चमचमाती हुई ट्रॉफी पर है।

पुरानी दिल्ली 6 अपना शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी।

पुरानी दिल्ली 6 टीम: ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

यूएस ओपन 2024: मुचोवा लगातार दूसरी बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन 2023 में कलाई की चोट के बाद केवल छठे टूर्नामेंट में वापसी कर रही गैर वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने बुधवार को ब्राजील की बीट्रिज हदाद मैया को 6-1, 6-4 से हराकर लगातार दूसरे साल न्यूयॉर्क सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मुचोवा, जो फरवरी में सर्जरी के कारण लगी चोट से उबरने के बाद जून में एक्शन में लौटी थीं, ने कूल्हे की तकलीफ से जूझते हुए अपने बैकहैंड स्लाइस पर भरोसा किया और ब्राजील की 22वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 85 मिनट में हराया।

मुचोवा ने तेज शुरुआत की और 4-0 की डबल ब्रेक लीड हासिल की और उसे अंत तक बरकरार रखा।

हदाद मैया ने दूसरे सेट में सुधार किया, लेकिन मुचोवा, जो अचानक पॉइंट के बीच अपने कूल्हे को पकड़ने लगीं, ने फिजियो के साथ कोर्ट छोड़ने से पहले 3-2 की बढ़त के लिए बैकहैंड विनर लगाया।

मुचोवा, जिन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में एक भी सेट नहीं गंवाया है, अब न्यूयॉर्क फाइनल में जगह बनाने के लिए छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी।

एंटीबायोटिक के सेवन से बच्चों में एक्जिमा का खतरा

एंटीबायोटिक दवाएं शरीर में होने वाले किसी भी तरह के बैक्टीरियल इंफेक्शन को आगे फैलने से रोकती है। लेकिन अधिकतर लोगों को इसके सही तरीके से सेवन करते हैं। यहां तक कि बच्चे को वायरल इन्फेक्शन में भी एंटीबायोटिक दवाइयां देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि छोटे बच्चों को एंटीबायोटिक देने से आगे चलकर उनमें एक्जिमा होने का खतरा बढ़ सकता है। एक अध्ययन के नतीजों में शोधकर्ताओं ने यह चेतावनी दी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन बच्चों को दो साल की उम्र से पहले एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती है, उन्हें बड़े होने पर एक्जिमा होने का 41 प्रतिशत से 56 प्रतिशत तक ज्यादा खतरा होता है। एक्जिमा त्वचा में दर्दयुक्त एलर्जी से जुड़ी बीमारी है। शोधकर्ताओं का मानना है कि बच्चों को काफी कम उम्र में एंटीबायोटिक देने से उनके पेट में कुदरती तौर पर मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इस स्थिति में उनका प्रतिरक्षा तंत्र हानिकारक बैक्टीरिया और रोगाणुओं से प्रभावी तरीके से निपटने में नाकाम हो जाता है। ऐसे बच्चे जब फूलों के पराग जैसे किसी अपेक्षाकृत हानिरहित बाहरी पदार्थ के संपर्क में आते हैं, तब उनका प्रतिरक्षा तंत्र अत्यधिक प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, जिससे एलर्जी शुरू हो जाती है।

अपेंडिक्स के बारे में जरूरी बातें

अपेंडिक्स का दर्द काफी दर्दनाक होता है क्योंकि इस समस्या के दौरान डॉक्टरों के लिए भी ये पता लगाना मुश्किल होता है कि ये अपेंडिक्स का दर्द है या किसी और का। डॉक्टर कहते हैं कि सामान्य तौर पर अपेंडिक्स का इलाज सर्जिकल होता है लेकिन मरीज को शुरुआती समय में ही अच्छा एंटीबायोटिक देने और पूरा आराम देने पर भी अच्छा परिणाम देखने को मिलता है।

प्राकृतिक उत्पाद भी हो सकते हैं जहरीले

क्या आप नैचुरल प्रोडक्ट खरीदने के लिए अपना एक्स्ट्रा समय और एक्स्ट्रा पैसे खर्च करते हैं? ऑर्गेनिक शेम्पू ऑर्गेनिक टूथपेस्ट बोटेनिकल शेम्पू हर्बल फेशवॉश? आदि ऐसे ही कई हर्बल प्रोडक्ट खरीदने में अपना समय बिताते हैं और सोचते हैं कि इससे तो आप नुकसानदायक और दुष्प्रभावी कीटाणुओं से बच जाएंगे। लेकिन आप गलत हैं। क्योंकि हर वो चीज, जिस पर सेफ और नैचुरल का टैग लिखा होता है, जरूरी नहीं की सुरक्षित हो। फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कहता है कि इस तरह के टैग, जैसे की नैचुरल, सेफ, रिकमेंडेड और टेस्टेड , पूरी तरह से मार्केटिंग के शब्द है जिसका मतलब होता है कुछ भी या कुछ भी नहीं। साधारण सी बात है कि इन प्रोडक्ट को बनाने वालों को ऐसा दावा करने के लिए किसी भी प्रूफ की जरूरत नहीं होती। बल्कि इन शब्दों से उनकी बिक्री ही बढ़ती है जिस कारण इन शब्दों का इस्तेमाल आजकल हर प्रोडक्ट में किया जाता है।

निजी केयर प्रोडक्ट: निजी केयर प्रोडक्ट जैसे की शेम्पू, शेविंग क्रीम, टूथपेस्ट आदि अन्य मेकअप के सामान कॉस्मेटिक में आते हैं। कॉस्मेटिक शब्द का मतलब हम समझते हैं हेल्दी और हाईजीन प्रोडक्ट। जबकि फुड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) इनको रेग्युलेट नहीं करती और ना ही इन प्रोडक्ट को ऐसा कोई लेबल देती है। एफडीए कहता है कि कटस्मेटिक बनाने वाली कंपनी किसी भी तरह की सामग्री या कच्चा मटेरियल इस्तेमाल करती है। और इन बने हुए प्रोडक्ट को बिना किसी सरकारी अप्रूवल के बेचती है।

ऐसे में आब आपके दिमाग में ये सवाल आ रहा होगा कि फिर इन्हें खरीदने लायक सुरक्षित होने का अफवाह कौन उड़ाता होगा?

89% सामग्री सुरक्षित नहीं: कॉस्मेटिक इंग्रिडियेंट रिव्यु (सीआईआर) पेनल वर्तमान में कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का चार्ज ली हुई है। एनवायरमेंटल वर्किंग ग्रुप ने पाया है कि पर्सन केयर के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट में जो 10,500 तरह के इंग्रिडियेंट मिले होते हैं उनमें से में 89% इंग्रिडियेंट को सीआईआर और एफडीए से कोई अप्रूवल नहीं मिला होता। यहां तक की इन प्रोडक्ट में मिले इन इंग्रिडियेंट को किसी भी तरह की सार्वजनिक एकाउंटेबल इंस्टिट्यूशन से भी प्रमाणित नहीं किया गया है।

फेयरनेस क्रीम्स: अब सबसे सामान्य कॉस्मेटिक के तौर पर किसी फेयरनेस क्रीम को ही लें। अब तो कई डर्मटॉलजिस्ट भी कह चुके हैं कि इन प्रोडक्ड्स में ब्लीच का इस्तेमाल किया गया होता है जिसके कारण ये इंसान को गोरा लुक प्रदान करते हैं। ये सच भी है। ज्यादा पिंग्मेंटेशन की समस्या है इन क्रीम से तभी ठीक होती है जब इसमें ज्यादा कैमिकल मौजूद होते हैं। लेकिन ये केमिकल्स हमारी स्किन को अंदर तक नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसा ही शेम्पू के साथ है। केमिकल्स से भरे ये शैम्पू बालों को काफी नुकसान पहुंचाते हैं।

कई प्रोडक्ट्स से होता है ब्रेस्ट कैंसर: कई कॉस्मेटिक उत्पादों से ब्रसेट् कैंसर की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। हाल ही में बर्कले की यूनीवर्सिटी ऑफ कैलोफोर्निया के एक रिसर्चर ने ये बात कही की अधिकतर कॉस्मेटिक्स में पैराबेन मौजूद होते हैं जो औरतों के शरीर के उन हार्मोन्स को एक्टिवेट कर देता है, जिनका ताल्लुक ब्रेस्ट कैंसर से होता है। इस स्टडी में इस बात की पुष्टि हुई है कि और इसे लेकर चिंता भी जाहिर की गई कि लंबे समय तक इन पैराबेन का हमारी बॉडी से कॉन्टेक्ट प्यूबर्टी और प्रेग्नेसी के दौरान नुकसान पहुंचाते हैं।

पेट के घाव भी भर जाते हैं

शक्कर से पचास गुना ज्यादा मीठी मुलेठी...

गले में खराश हो या खांसी, मुलेठी चूसने से इसमें राहत मिलती है। इसके अलावा भी मुलेठी में कई ऐसे गुण हैं, जो शायद आप पहले नहीं जानते होंगे। जानिए मुलेठी आपको किस प्रकार लाभ पहुंचा सकती है। मुलेठी बहुत गुणकारी औषधि है। मुलेठी के प्रयोग करने से न सिर्फ आमाशय के विकार बल्कि गैस्ट्रिक अल्सर के लिए फायदेमंद है। इसका पौधा 1 से 6 फुट तक होता है। यह स्वाद में मीठी होती है इसलिए इसे यष्टिमधु भी कहा जाता है। असली मुलेठी अंदर से पीली, रेशेदार एवं हल्की गंधवाली होती है। सूखने पर इसका स्वाद अम्लीय हो जाता है।

मुलेठी की जड़ को उखाड़ने के बाद दो वर्ष तक उसमें औषधीय गुण विद्यमान रहते हैं। इसका औषधि के रूप में प्रयोग बहुत पहले से होता आया है। मुलेठी पेट के रोग, सांस संबंधी रोग, स्तन रोग, योनिगत रोगों को दूर करती है। ताजी मुलेठी में पचास प्रतिशत जल होता है, जो सुखाने पर मात्र दस प्रतिशत ही शेष रह जाता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद साधारण शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। आइए हम आपको मुलेठी के गुणों के बारे में बताते हैं।

मुलेठी के गुण

मुलेठी को काली-मिर्च के साथ खाने से कफ ढीला होता है। सूखी खांसी आने पर मुलेठी खाने से फायदा होता है। इससे खांसी तथा गले की सूजन ठीक होती है। अगर मुंह सूख रहा हो तो मुलेठी बहुत फायदा करती है। इसमें पानी की मात्रा 50 प्रतिशत तक होती है। मुंह सूखने पर बार-बार इसे चूसें। इससे प्यास शांत होगी। गले में खराश के लिए भी मुलेठी का प्रयोग किया जाता है। मुलेठी अच्छे स्वर के लिए भी प्रयोग की जाती है। मुलेठी महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद है। मुलेठी की जड़ पेट के घावों को समाप्त करती है, इससे पेट के घाव जल्दी भर जाते हैं। पेट के घाव होने पर मुलेठी की जड़ का चूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए। मुलेठी पेट के अल्सर के लिए फायदेमंद है। इससे न केवल गैस्ट्रिक अल्सर वरन छोटी आंत के प्रारम्भिक भाग ड्यूओडनल अल्सर में भी पूरी तरह से फायदा करती है। जब मुलेठी का चूर्ण ड्यूओडनल अल्सर के अपच, हाइपर एसिडिटी आदि पर लाभदायक प्रभाव डालता है। साथ ही अल्सर के घावों को भी तेजी से भरता है। खून की उल्टियां होने पर दूध के साथ मुलेठी का चूर्ण लेने से फायदा होता है। खूनी उल्टी होने पर मधु के साथ भी इसे लिया जा सकता है। हिचकी होने पर मुलेठी के चूर्ण को शहद में मिलाकर नाक में टपकाने तथा पांच ग्राम चूर्ण को पानी के साथ खिला देने से लाभ होता है। मुलेठी आंतों की टीबी के लिए भी फायदेमंद है।

आखिर क्यों फड़कतीं है हमारी आंखें ?

कई बार अचानक हमारी आंख फड़कने लग जाती है। आंख फड़कने पर हमारे दिमाग में कई ख्याल आते है। आंख फड़कने को भारत में कई जगहों पर शुभ-अशुभ से जोड़कर कर भी देखा जाता है। कई बार तो आंख इतनी फड़कती है कि हम परेशान हो जाते है लेकिन क्या आप जानते है कि आंख क्यों फड़कती है? अगर नहीं तो हम आज आपको इसका कारण बताते है।

आंख फड़कना आम लक्षण होता है। इसमें आंखों के आस-पास की मांसपेशियां खुद संकुचित होती है, जिससे उलझन और परेशानी तो काफी होती है लेकिन कोई नुकसान नहीं होता। आंख फड़कने के कहीं कारण है आइए जानें इन कारणों के बारे में...

कैसे करें आंख फड़कना बंद

आंख फड़कना बंद करने के लिए हाइड्रेटेड बने रहें। ज्यादा से ज्यादा नींद लें। आंखों के फड़कने को रोकने के लिए आंखों की मसाज करें। पलकों को 30 सेकेण्ड्स तक झपकाएं। यदि आंखों का फड़कना एक सप्ताह से अधिक तक रहे तो आंखों के डाक्टर से मिलें।

आंख फड़कने के कारण

1. थकान और तनाव के कारण भी आंख फड़कती है। तनाव के कम करके आंख का फड़कना रोका जा सकता है। नींद न पूरी होने के कारण भी ऐसा हो सकता है।
2. शराब भी आंख फड़कने का कारण हो सकती है। अगर आप शराब का सेवन अधिक करते है तो आपको यह परेशानी हो सकती है।
3. कम रोशनी में काम करने या देर तक कम्प्यूटर पर काम करने आदि से भी ये परेशानी हो सकती है।

लौंग की चाय पीने के अद्भुत फायदे

चाय हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा है, जो कि दिन भी शुरुआत करने का एक जोरदार तरीका है। अगर आप वहीं ग्रीन टी या ब्लैक टी पी कर बोर हो चुके हैं, तो एक बार लौंग की चाय ट्राई कर के देखिए। लौंग तो हर घर के किचन में मौजूद होता है, तो अगर आपको अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स दूर करनी है तो लौंग की चाय पीना ना भूलें। लेनिक आइये जान लेते हैं कि इसे बनाया कैसे जाता है- 1 चम्मच लौंग को दरदरा पीस लें। फिर इस पावडर को 1 कप पानी में डाल कर 5-10 मिनट तक उबालें। जब यह उबलना शुरु हो जाए तब इसमें आधा चम्मच टी पावडर मिला कर कुछ मिनटों तक पकाएं। फिर पानी को छान कर हल्का ठंडा कर के पिएं। आप इसे स्टोर कर के रेफ्रिजिरेटर में भी रख सकते हैं। मसूड़ों और दांतों के दर्द से छुटकारा दिलाए अगर मसूड़ों और दांतों में दर्द हो तो गरम लौंग की चाय से कुल्ला करें। इससे मुंह में जमे बैक्टीरिया का खात्मा होगा और झट से आराम मिलेगा। साइनस इंफेक्शन दूर करे सीने में जकड़न या साइनस की समस्या में आप 1 कप गरम लौंग की चाय को सुबह पी सकते हैं। इससे कफ साफ होता है तथा शरीर गर्म होता है।

लौंग की चाय में मैगनीशियम और विटामिन ई और के होते हैं, जो कि जो कि बैक्टीरियल इंफेक्शन से राहत दिलाते हैं। इसको पीने से शरीर का तापमान कम होता है तथा इम्यूनिटी बढ़ती है। पाचन शक्ति मजबूत बने लंच या डिनर के पहले 1 कप लौंग की चाय पीने से शरीर में खून का फ्लो अच्छा होता है तथा मुंह में लार बनने लगती है जो कि खाने को हजम करने में सहायक होती है। यह एसिडिटी और पेट के दर्द से भी आराम दिलाता है। आंत के परजीवी मारता है लौंग की चाय में **anti-inflammatory** कम्पाउंड होता है, जो शरीर से परजीवी को हटाने का काम करता है। इससे पेट दर्द तथा डायरिया ठीक होता है। गठिया दर्द ठीक करता है अगर आपको गठिया से जुड़ा दर्द है तो आप आई कोल्ड लौंग की चाय से आराम मिल सकता है। लौंग काफी पावर फुल होती है इसलिए दर्द वाले स्थान पर लौंग की चाय के पानी से दिन में 2 या 3 बार 20 मिनट के लिए सिकाई कर सकते हैं। इससे जोड़ों का दर्द, सूजन और लिगामेंट इंजुरी में लाभ मिलेगा। स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाए यह आपको कई तरह की स्किन इंफेक्शन से राहत दिलाएगा। लौंग की चाय में ऐसा तेल पाया जाता है जो शरीर से टॉक्सिन निकालता है। अगर इसे किसी घाव पर ऊपर से लगाया जाए तो वह जल्दी ठीक हो जाता है। यह फंगल इंफेक्शन तथा दाद से भी छुटकारा दिलाता है।

खास देखभाल के साथ ही चाहिए संतुलित डाइट

बच्चों की डायबिटीज को कर सकते हैं मैनेज

ड़बड़ाती दिनचर्या और ब्रान-पान की वजह से ायबिटीज यानि मधुमेह अब आम होता जा रहा है, लेकिन इस रोग ने अब अपनी गिरफ्त में बच्चों को भी लेना शुरू कर दिया है। ऐसे में बच्चों में मधुमेह का पता चलते ही पालकों को उनके स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना पड़ता है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं किस तरह से मधुमेह से ग्रस्त बच्चों का ख्याल रखें।

दर्द रहित और सुरक्षित भी...

बच्चों में डायिबटीज होने पर इंसुलिन पंप थैरेपी के जरिए उनका उपचार किया जा सकता है। ये थैरेपी दर्दरहित व सुरिक्षत है। इसे किसी भी उम्र के बच्चों को देने के लिए कहा जाता है क्योंकि इस उम्र में इंजेक्शन सही विकल्प नहीं है। इसी वजह से टाइम मैग्जीन ने इसे 2013 का सबसे बेहतरीन तकनीकी आविष्कार माना है। भारत में डायबिटीज के रोगियों में 5 फीसदी बच्चे भी शामिल हैं। पारंपरिक इंसुलिन इंजेक्शन लेने के मुकाबले ये थैरेपी ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित करने में मददगार होती है। यह उपकरण एक कम्प्यूटराइज्ड यंत्र है जो मोबाइल जैसा होता है और जिसमें फौरन इंसुलिन भरकर डाल दिया जाता है।

इंसुलिन से ज्यादा बेहतर...

बच्चे सुई चुभने के डर से कई बार इंजेक्शन नहीं लगवाते। इस समस्या का समाधान इंसुलिन पंप थैरेपी है। इस थैरेपी में मुख्य तौर पर इंसुलिन पंप इस्तेमाल होता है, जो एक छोटा उपकरण है। इसे बाहर से पहना जाता है या मोबाइल की तरह टांगा जा सकता है। ये रोगी के शरीर की जरूरत के अनुसार इंसुलिन की सटीक डोज देता रहता है। इंसुलिन के छोटे-छोटे लगातार डोज से रोगी का शरीर सामान्य तौर पर काम करता रहता है। इंसुलिन पंप थैरेपी ने हाइपोग्लेसिमिया यानि ब्लड शुगर में कमी को काफी हद तक कम किया है।

लिवर ट्रांसप्लांट कराने में अब नहीं ब्लड ग्रुप की चिंता

ीवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए अब एक समान ब्लड ग्रुप का डोनर ोना जरुरी नहीं अगर आप भी लिवर मरीज हैं अगर आपको भी अपने लडग्रुप का डोनर नहीं मिल रहा है ो अब आप को घबराने की जरूरत हीं, क्योंकि मेडिकल साइंस की स सफलता से लिवर के मरीजों को ायदा होगा जो एक जैसा ब्लडग्रुप ाला डोनर न मिलने के कारण दम ोड़ देते थे।

अब 15 लाख रुपए का खर्च

पहले लिवर ट्रांसप्लांट के लिए लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब इस नई तकनीक से डोनर आसानी से मिल जाता है और अब डॉक्टर्स ने अलग-अलग ब्लड ग्रुप के डोनर से भी लिवर के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट तकनीक का आविष्कार किया है। दिल्ली सरकार के लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान में हाल ही में दो मरीजों को बेमेल डोनर से लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आइएलबीएस में लिवर ट्रांसप्लांट करवाने के लिए पहले साढ़े ग्यारह लाख रुपए खर्च करने पड़ते थे, लेकिन इस नई तकनीक के आने के कारण अब साढ़े पंद्रह लाख रुपए खर्च आएगा।

बेहतर होती है गुणवत्ता

आइएलबीएस के मुख्य लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. वी. पामेचा के अनुसार इस तकनीक से पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट किया गया है और लिवर ट्रांसप्लांट करने से पहले मरीज और डोनर के रक्त में भिन्नता देखी जाती है और फिर मशीन की मदद से मरीज के रक्त को साफ किया जाता है और डोनर के रक्त की गुणवत्ता को एक तरह से बेहतर किया जाता है। इसके बाद मरीज को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती।

रेसिपी

मल्टीग्रेन ढ़ेबरा

सामग्री

1 कप बारीक कटी हुई मेथी, 1 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1 टेबल-स्पून बेसन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबल-स्पून दही, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 1/2 टेबल-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 20 भागों में बांट लें। प्रत्येक भाग को अपनी हथेली के बीच रखकर, थपथपाते हुए 50 मिमी। (2) व्यास के गोल और 1 मोटे गोल आकार में बना लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े ढ़ेबरे डालकर, उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। ताजे दही के साथ गरमा गरम परोसें।

चट-पटा पाव

सामग्री

6 लाड़ी पाव, 6 टी-स्पून मक्खन, **मसाला के लिए:** 2 टेबल-स्पून मक्खन, 3/4 कप बारीक कटा प्याज, 1/4 कप बारीक कटी शिमला मिर्च, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून काला नमक, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नींबू

विधि

मसाला के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। लहसुन, टमाटर, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। काला नमक और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। मसाले को 6 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक नॉन-स्टिक तवे में 1 टी-स्पून मक्खन गरम करें, तैयार मसाले के एक भाग को डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। एक पाव को 2 भाग में काटें और खोलकर तवे पर रखे मसाले पर रखें। मसाले को पाव में अच्छी तरह फैला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट या मसाले को पाव से चिपकने तक पका लें। विधी क्रमांक 1 से 3 को दोहराकर 5 और चटृपटा पाव बना लें। धनिया से सजाएं और नींबू के साथ गरमा गरम परोसें।

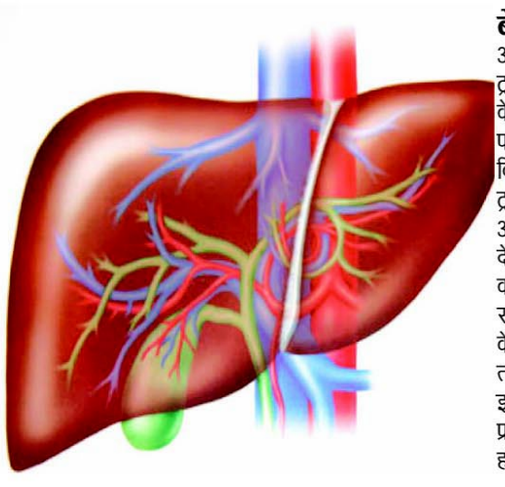

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**